www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 126 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
27 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:28
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

» पेज 07

विशेष समाचार | कॉकरोच आंदोलन - डिजिटल... » पेज 04 | बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत ... » पेज 06 | सोनाक्षी सिन्हा ने कान ...

परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स बनाई, इंफोसिस को-फाउंडर नीलेकणी अध्यक्ष होंगे

पेपरलीक रोकने के लिए कल कठोर कानून लाएंगे : मोदी

एलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम 7 बजे के करीब अपने सोशल मीडिया पर परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर नया वीडियो जारी किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार छात्रों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य से छेड़छाड़ की, वे आज जेल में हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

पीएम मोदी ने पिछले 4 दिन में इंस्टाग्राम पर यह तीसरा वीडियो मैसेज पोस्ट किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा प्रणाली को भरोसेमंद, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया जाना जरूरी है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विश्व प्रसिद्ध प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में हाई पावर्ड टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया गया है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया

उन्होंने यह भी कहा- हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला 3 मई को हुए NEET UG पेपर लीक से जुड़ा है।

6 सदस्यीय टास्क फोर्स, इसरो के पूर्व अध्यक्ष भी शामिल

नंदन नीलेकणी — टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और इंफोसिस के सह-संस्थापक
डॉ. एस. सोमनाथ — इसरो के पूर्व अध्यक्ष
तपन डेका — इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के पूर्व डायरेक्टर
वी. कामकोटी — आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर
अनीता करवाल — शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव
अमृत लाल मीणा — लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट

आज संसद में जितेंद्र सिंह पेपर लीक से जुड़ा बिल पेश करेंगे

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और कॉकरोच पार्टी के आंदोलन खत्म होने के बाद संसद में सोमवार को पेपर लीक की रोकथाम से जुड़ा बिल पेश किया जाएगा। इस बिल का नाम 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में बिल पेश करेंगे।

बिल के जरिए 2024 में बने कानून में बदलाव किए जाएंगे।

» (शेष पेज 06 पर)

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का चानू ने दिलाया पहला गोल्ड

वेटलिफ्टिंग में 190 केजी उठाया ऋषिकांत ने सिल्वर जीता

गर्व

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48 kg वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190 kg (85 kg स्नैच + 105 kg क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया।

भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 kg में 264 kg (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था।

भारत अब मेडल टैली सातवें स्थान पर पहुंच गया है।

» (शेष पेज 06 पर)

- चानू लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं
- ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स

अभिजीत दीपके बोले-कल ही आंदोलन खत्म हुआ, थोड़ा समय दें

सीजेपी की अगली रणनीति जल्द बताएंगे : अभिजीत

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- आगे की रणनीति का ऐलान जल्द करेंगे। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन कल ही खत्म हुआ है। प्लीज हमें थोड़ा समय दें।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि पंजाब में पेपर लीक को लेकर उनकी रणनीति क्या होगी, इस पर दीपके ने जवाब दिया कि उस पर भी बात करेंगे। हम अभी इसके लिए प्लानिंग कर रहे हैं।

सरकार के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा कि जो केस फाइल किए गए हैं, उनके बारे में बात चल रही है। किसी भी स्टूडेंट के खिलाफ कोई केस रजिस्टर नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में 20 जून से जंतर-मंतर पर 36 दिनों तक चला आंदोलन 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म हुआ।

प्रदर्शनकारियों से केस हटाने पर बातचीत जारी

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल से मिले दीपके

अभिजीत दीपके रविवार को राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल से मिलने उनके घर पहुंचे थे। वहां से निकलकर उन्होंने यही बताया कि सरकार से बात चल रही है कि किसी भी स्टूडेंट पर केस न किया जाए।

अभिजीत की कपिल सिब्बल से मुलाकात, उनसे लीगल एडवाइज लेने के तौर पर देखी जा रही है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात् परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत् 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को **गुरु पूर्णिमा** का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।

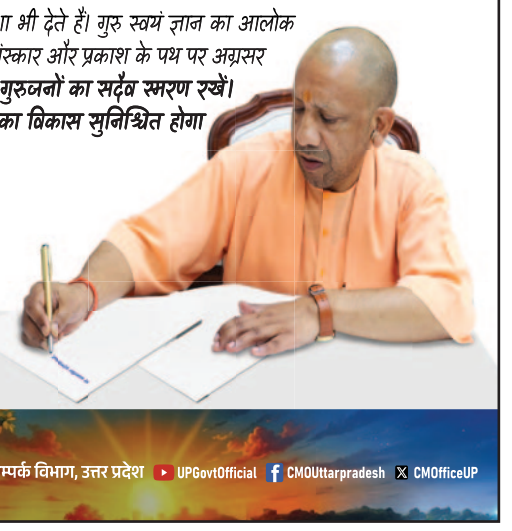

सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में **'व्यास पूर्णिमा'** के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए **गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है।**

प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया। भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। कठोपनिषद् में नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, अपितु 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना।

जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप **हमारी सरकार ने विगत नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान एवं उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।** पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर हमने अपने गुरुजनों को ऐसा समर्थ परिवेश देने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से **'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना'** आरंभ की गई है। इसका लाभ बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के **60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के **7.50 लाख से अधिक शिक्षकों तथा उनके आश्रित परिजनों** को भी इसकी परिधि में लाया गया है तथा शीघ्र ही **2.50 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रित परिजन** भी इस योजना से लाभान्वित होंगे। साथ ही, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को **सामाजिक सुरक्षा बीमा कवर** भी प्रदान किया जा रहा है।

वास्तव में, गुरु शिक्षा ही नहीं देते, जीवन को दिशा भी देते हैं। गुरु स्वयं ज्ञान का आलोक हैं, जो शिष्य को अज्ञानरूपी तम से निकालकर सत्य, संस्कार और प्रकाश के पथ पर अग्रसर करते हैं। **मेरा आप सबसे विशेष आग्रह है कि अपने गुरुजनों का सदैव स्मरण रखें। उनके दिए आदर्शों को जीवन में उतारें। इससे आपका विकास सुनिश्चित होगा तथा विकसित प्रदेश का मार्ग भी तभी प्रशस्त होगा।**

आपका
योगी आदित्यनाथ

स्वस्थ शिक्षक सशक्त प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

सिद्धारमैया का ऐलान- 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा

कर्नाटक । पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

सतर्क खतरा

गुजरात, महाराष्ट्र ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है।

उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी।

इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं।

संसद मार्च में पुलिस एक्शन के खिलाफ सुनवाई आज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई के संसद मार्च से जुड़ी है, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी ने आयोजित किया था।

भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा और पाकिस्तान घुसपैठ के

राजनाथ बोले-अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली।कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है।

» (शेष पेज 06 पर)

- रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

योगी का ऐलान- 3 करोड़ तक का एक्सीडेंटल बीमा भी मिलेगा, 10 लाख को फायदा

डिग्री कॉलेज के टीचर्स को 5 लाख तक कैशलेस इलाज

सुविधा

- प्राचीन काल से ही भारतीय परम्परा में शिक्षकों का सर्वोच्च स्थान, व्यक्ति के जीवन, शासकीय व्यवस्था तथा गुरुकुल परम्परा में गुरुओं का विशिष्ट महत्वः मुख्यमंत्री

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, आगरा, लखनऊ। यूपी में अब डिग्री कॉलेज के टीचर्स को भी 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज मिलेगा। सीएम योगी ने रविवार को आगरा में 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस योजना' की शुरुआत की। इससे प्रदेश में यूनिवर्सिटी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट कॉलेजों के करीब 1.28 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को मिलाकर, लगभग 10 लाख लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। योगी ने इस दौरान डेढ़ से 3 करोड़ रुपए तक की एक्सीडेंटल बीमा कवर योजना का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा- सरकार ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ MoU किया है।

» (शेष पेज 06 पर)

मुख्यमंत्री ने जनपद आगरा में उच्च शिक्षा विभाग के 7.50 लाख से अधिक शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारम्भ किया

भारत की परंपरा में शिक्षक का स्थान सबसे ऊपर

योगी ने कहा- भारत की परंपरा में शिक्षक का स्थान सर्वोच्च रहा है। जब दुनिया का बड़ा हिस्सा अज्ञान के अंधकार में था, तब भारत तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों का निर्माण कर चुका था। तक्षशिला, जो आज पाकिस्तान में है, अविभाजित भारत का हिस्सा था। इसका नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर पड़ा था।

बयान : संविधान ही सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी ढालः अखिलेश यादव

'आरक्षण बचेगा तो संविधान बचेगा'

- सपा मुख्यालय समेत सभी जिला कार्यालयों में मनाया गया 'आरक्षण दिवस' और 'संविधान-मान स्तंभ स्थापना दिवस'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिला कार्यालयों में 'आरक्षण दिवस' को 'संविधान-मान स्तंभ स्थापना दिवस' के रूप में मनाया। इस अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए इनकी रक्षा करना आवश्यक है।

» (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ महानगर कार्यालय में आयोजन

लखनऊ के कैसरबाग स्थित सपा महानगर कार्यालय में भी आरक्षण दिवस एवं संविधान-मान स्तंभ स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रमेश दीक्षित रहे, जबकि अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी ने की। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव गौरव सिंह यादव ने किया।

शाहूजी महाराज के निर्णय को बताया ऐतिहासिक

अखिलेश यादव ने कहा कि 26 जुलाई का दिन भारतीय सामाजिक न्याय के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रेरणा और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में आरक्षण लागू किया था। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने का ऐतिहासिक उदाहरण बना, जिसे आगे चलकर डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में जनाधिकार के रूप में स्थापित किया।

> अखिलेश यादव बोले- संविधान और आरक्षण की रक्षा से ही समता और सामाजिक न्याय का सपना होगा साकार

कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश, महानगर और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों, पार्षदों, पूर्व जनप्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। नेताओं ने सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया : राहुल

सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की।

राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी (CJP) का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था।

» (शेष पेज 06 पर)

- राहुल ने पैलेट गन से घायल छात्र की टी-शर्ट उठाकर घाव दिखाए

बारिश से नदियां उफान पर, मेडिकल कॉलेज में घुसा पानी, 25 शहरों में अलर्ट

यूपी में स्कूल नदी में समाया 100 बीघा फसल बर्बाद

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज। पहाड़ों पर भारी बारिश से यूपी में नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना समेत 10 नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इनमें घाघरा-शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। बलिया में एक सरकारी स्कूल और मकान सरयू नदी में समा गया। गोंडा में 100 बीघा से ज्यादा फसल घाघरा के पानी में डूब गई। लोग नदी किनारे बने अपने कच्चे मकानों को तोड़कर बांस-बल्लियां, ईंट समेट रहे हैं।

सरयू और घाघरा में उफान की वजह से सीतापुर, पीलीभीत, लखीमपुर और बहराइच के गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। पानी के साथ बहकर आ रहे मगरमच्छ लोगों के घरों में घुस रहे हैं। आज यानी रविवार को नोएडा और बिजनौर बारिश हुई। लखनऊ, बाराबंकी, आगरा समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। मौसम विभाग (IMD) ने 25 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वाराणसी-प्रयागराज समेत 8 जिलों में बिजली गिरने की आशंका है।

इससे पहले, शनिवार को वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ समेत 36 शहरों में बारिश हुई। फर्रुखाबाद में सबसे ज्यादा 13.8 मिमी. बारिश हुई।

बलिया में सरयू नदी उफान पर हैं। किनारों पर कटान से एक मकान नदी में समा गया।

बिजनौर में झमाझम बारिश, दिन में छाया अंधेरा

बिजनौर में रविवार को झमाझम बारिश हुई। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक हुई बारिश से लोगों के चेहरे खिल उठे। कई दिनों से बारिश का इंतजार खत्म हुआ। बारिश के बाद आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही।

मेरठ में मेडिकल कॉलेज परिसर में भारी जलभराव होगा। मरीज और तीमारदार बारिश के पानी चलते नजर आए।

सपा नेता का दावा: उद्घाटन के 12 दिन बाद ही धंसा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे

उन्नाव में समाजवादी पार्टी के एक नेता ने दावा किया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जुलाई को जिस लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था, उसकी सड़क महज 12 दिन बाद ही धंस गई। सपा नेता ने इसे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। हालांकि प्रोजेक्ट मैनेजर वी. कुंडू ने कहा कि लगातार बारिश के कारण कुछ जगह तकनीकी दिक्कतें आई हैं, जिन्हें तुरंत ठीक कराया जा रहा है। यातायात सामान्य है और टीम लगातार निगरानी कर रही है।

2027 में दिल्ली में होगी आईएसएफ वर्ल्ड कुश्ती-बैडमिंटन चैंपियनशिप

आईएसएफ के कार्यकारिणी चुनाव में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को मिली जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में आयोजित इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन (ISF) के कार्यकारिणी चुनाव में भारत के स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) ने सफलता हासिल की। इसके बाद अध्यक्ष और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दीपक कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।इस दौरान यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव व SGFI के कार्यकारिणी सदस्य भगवती सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। दीपक कुमार ने मुख्यमंत्री को बेलग्रेड में हुई निर्वाचन प्रक्रिया और वहां मिली सफलता के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और इसे देश व प्रदेश के खेल जगत के लिए गर्व की बात बताया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश को वर्ष 2036 तक देश के शीर्ष तीन खेल-राष्ट्रों में शामिल करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य पेश करते हुए यह रोडमैप 'विजन 2036' बताया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि 2036 में भारत में प्रस्तावित ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए स्कूली स्तर से ही वैश्विक अनुभवों व नीतियों का क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने सभी राज्य खेल संस्थाओं से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय महासंघों की कार्यकारिणी में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया और पारंपरिक खेलों कबड्डी व योग को ओलंपिक में शामिल कराने हेतु विशेष रणनीति पर जोर दिया।

इस दौरान दीपक कुमार ने SGFI में हुए डिजिटल सुधारों व उपलब्धियों की जानकारी दी। जनवरी 2023 से अध्यक्षत्व संभालने के बाद SGFI ने स्कूली खिलाड़ियों का पंजीकरण, प्रतियोगिता प्रबंधन और परिणामों का पूर्ण डिजिटलीकरण किया।

पारदर्शिता बढ़ाई और फर्जीवाड़े पर रोक लगाई। 5 लाख से अधिक खेल प्रमाणपत्र डिजिलॉकर पर अपलोड किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि SGFI की पहुंच अब प्रतिवर्ष 2.62 लाख से अधिक विद्यालयों व 4.14 करोड़ छात्रों तक है। सत्र 2025-26 में 44 खेलों में 250 से अधिक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 61,000 से अधिक छात्र-एथलीट भागीदार रहे।

फास्ट न्यूज

काशी में शिक्षामंत्री के इस्तीफे पर छात्रों ने मनाया जश्न

वाराणसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद वाराणसी में युवा कांग्रेस और युवजन सभा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस दौरान उन्होंने इसे लोकतंत्र की जीत बताया। युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सिद्धार्थ केशरी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है।

काशी में कांवड़ मार्ग पर नॉनवेज बेचने पर रोक

वाराणसी। काशी में सावन के दौरान कांवड़ यात्रा मार्ग पर नॉनवेज पूरी तरह बैन रहेगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों को सिर्फ शाकाहारी भोजन बेचने के निर्देश दिए हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के तीन किलोमीटर के दायरे में सभी दुकानों पर खाद्य लाइसेंस और रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य होगा। भोजन को ढककर रखना और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा। सावन मेले के दौरान एफएसडीए की टीमें लगातार जांच करेंगी। नियम तोड़ने वाले होटल, रेस्टोरेंट और दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में अपहरण के ट्वीट पर दौड़ी पुलिस

गोरखपुर। गोरखपुर में शनिवार की रात लड़की के अपहरण के ट्वीट ने पुलिस की नींद उड़ा दी। यूपी पुलिस के एक्स हैंडल पर शनिवार की देर रात करीब 12 बजे गोरखपुर से एक वीडियो शेयर किया गया। जिसमे बताया गया कि एक वैन से लड़की के चिल्लाने की आवाज आ रही है। वह महिला बार-बार कार से अपना सिर भी बाहर निकाल रही है।

दालमंडी ध्वस्तीकरण में बवाल 6 नामजद समेत 21 पर केस

वीडीए और नगर निगम की टीम पर हमला किया था, आज जाएंगे जेल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण और नगर निगम की टीम दालमंडी में शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर रही थी। मकान संख्या डी-50/221 में रह रहे लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया। आरोप है कि उन्होंने ध्वस्तीकरण टीम पर हमला किया। पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया है। देर रात पुलिस ने 6 नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों को रविवार को जेल भेजा जाएगा। उधर, पीडब्ल्यूडी की पोकलेन मशीन ने शाम करीब 6 बजे तक मकान संख्या डी-50/221 को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

ज्ञानचंद ने बताया कि मकान को खाली करने के लिए कहा गया तो वो उग्र हो गए। मौके पर मौजूद टीम पर हमला कर दिया। किसी तरह मौके पर तैनात पुलिस ने सभी को वहां से हटाया और मकान में रह रहे लोगों को हिरासत में ले लिया। आरोप है की इस हमले में कई कर्मचारियों को चोट भी आई है। एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि मकान संख्या डी-50/221 को वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने अवैध घोषित किया है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के कर्मचारी ज्ञानचंद ने दी तहरीर

वाराणसी विकास प्राधिकरण (VDA) के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ज्ञानचंद ने चौक थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि दालमंडी में वीडीए ने कई मकान अवैध घोषित किए गए हैं। इनमे से एक डी 50/221 भी है, जिसे शनिवार को तोड़ा जा रहा था। दोपहर 12 बजे के बाद जब एडीएम सिटी राजेश कुमार, विकास प्राधिकरण के जोनल अधिकारी प्रकाश कुमार के साथ टीम पहुंची तो मकान में रहने वालों ने विरोध शुरू कर दिया, जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं।

48.79 करोड़ की परियोजना से मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं लोधेश्वर महादेव धाम का काशी की तर्ज पर विकास

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के ऐतिहासिक लोधेश्वर महादेव धाम का स्वरूप अब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बदला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पर्यटन विभाग की 48.79 करोड़ की समेकित पर्यटन विकास परियोजना के तहत मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इस परियोजना से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। रविवार 4 बजेप्र-शासक की तरफ से लेआउट जारी किया गया। लगभग 12,980 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही इस परियोजना में पांच भव्य प्रवेश द्वार, 652 मीटर लंबा कवर्ड कॉरिडोर, आधुनिक विजिटर फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स, क्लॉक रूम, मेडिकल सेंटर, कमांड सेंटर और कंट्रोल रूम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, लैंडस्केपिंग, नौ दुकानें और पेयजल जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। पुरुषों और महिलाओं के लिए 26-26 शौचालय तथा दिव्यांगजनों के लिए अलग शौचालय भी बनाए जाएंगे।

जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बताया कि यह परियोजना आस्था और पर्यटन का सुंदर संगम बनेगी। जिला प्रशासन निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापार, रोजगार तथा अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार के अनुसार, भूमि हस्तांतरण के बाद अप्रैल 2026 से निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। वर्तमान में पाइलिंग और फाउंडेशन का कार्य जारी है। परियोजना को अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

झारखंड, बिहार और मध्य प्रदेश से जुड़े आरोपियों का खुलासा, सोने-चांदी के जेवर समेत 47,100 रुपये बरामद

शिवबाबा मंदिर के पास चोरी के माल का बंटवारा पड़ा भारी

- बरामद सामान में सोने-चांदी के आभूषण शामिल
- छह थाना क्षेत्रों की चोरी में सामने आई संलिप्तता
- नए सदस्यों और अन्य वारदातों की तलाश में जुटी पुलिस

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतर-राज्यीय गिरोह पर अकबरपुर थाना पुलिस ने शिकंजा कसते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी जिले के कई थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण और 47,100 रुपये नकद बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।

पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि गिरोह के सदस्य अकबरपुर, महरुआ, मालीपुर, अहिरौली, जलालपुर और कटका थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देता था। पहले इलाके की निगरानी और रेकी की जाती थी। इसके बाद बंद मकानों और सुनसान स्थानों को निशाना बनाया जाता था। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। अब पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही आरोपियों के आपराधिक इतिहास और जिले सहित आसपास के जनपदों में हुई चोरी की घटनाओं से उनके संबंधों की भी जांच की जा रही है।

सुबह साढ़े तीन बजे पुलिस ने की घेराबंदी

पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे मुखबिर से सूचना मिली कि शिवबाबा मंदिर स्थित मंच के पास कुछ संदिग्ध लोग जुटे हुए हैं। ये लोग चोरी के सामान का बंटवारा कर रहे हैं और किसी नई वारदात की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मौके की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने मौके से 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी का सामान और नकदी बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 10.28 ग्राम पीली धातु (सोना), 6.98 ग्राम सफेद धातु (चांदी) के आभूषण और 47,100 रुपये नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

गिरोह में महिलाएं भी थीं शामिल

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी झारखंड, बिहार और मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। गिरोह में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल थीं, जो चोरी की घटनाओं में सक्रिय भूमिका निभाती थीं।

जुलूस नहीं निकालेंगे वकील बैनर पोस्टरों पर भी रोक

अधिवक्ता संघ चुनाव में पार्टियां, नारेबाजी और हंगामा नहीं होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। सबसे अहम यह कि अधिवक्ता संघ चुनाव में कोर्ट परिसर, उसके आसपास, शहर में पोस्टर, बैनर, कटआउट, हैंडबिल पर पूरी तरह रोक रहेगी।

साथ ही जुलूसों पर पाबंदी होगी, नारेबाजी करते हुए अधिवक्ता नहीं चलेंगे। रैली, मार्च पर रोक होगी। वकीलों के लिए पार्टियां, सार्वजनिक भोजन नहीं करा सकेंगे।

यह सारे आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिए हैं। यानि चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण और कोर्ट की गरिमा को बरकरार रखने के तरीकों से होगा। चूंकि हाईकोर्ट की निगरानी में चुनाव होगा, ऐसे वकील मनमानी नहीं कर सकेंगे और इन सारे आदेशों को हर हाल में मानना ही होगा।

यह मामला वकीलों में खासा चर्चा का विषय बना है। हालांकि इससे प्रशासन और पुलिस को बड़ी राहम मिली है।

असल में इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हुई थी। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि जिला अधिवक्ता संघ चुनाव तीन हफ्ते में पूरा कराएं। साथ ही कोर्ट के आदेश पर एल्डर कमेटी का गठन भी हो गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला बार एसोसिएशन प्रयागराज के लंबे समय से लंबित चुनाव कराने का रास्ता साफ करते हुए कई आदेश जारी किए हैं। कोर्ट ने सर्वसम्मति से 10 सदस्यीय एल्डर कमेटी का गठन कर दिया है।

खुलासा : हरदोई में खाने में नींद की गोली मिला बेहोश किया, 16 गिरफ्तार, 1.29 करोड़ बरामद

व्यापारी के घर से 3 नौकरों ने करोड़ों चुराए

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई में जिस व्यापारी ने सात साल तक नौकरों को परिवार का सदस्य मानकर आंख मूंदकर भरोसा किया, उन्हीं ने विश्वासघात कर करोड़ों रुपए की चोरी की साजिश रच डाली। पहले व्यापारी और उनकी पत्नी के खाने में नींद की गोलियां मिलाईं, फिर देर रात घर में रखी नकदी 8 बैग्स में भरी और उसे लेकर फरार हो गए।

पुलिस ने जब व्यापारी के घर हुई चोरी का खुलासा किया तो सब हैरान रह गए। दरअसल, घर के तीन नौकरों ने चोरी को अंजाम दिया था और इसका मास्टरमाइंड मुनीम का साला था। शनिवार को हुए खुलासे में पुलिस ने बताया कि 3 नौकरों समेत 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 1 करोड़ 28 लाख 99 हजार 310 रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं। घटना शहर के रेलवेगंज इलाके की है। व्यापारी ने 17 जुलाई को चोरी की एफआईआर तो दर्ज कराई थी, लेकिन चोरी गई रकम का जिक्र नहीं किया था। एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि चोरी की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके अलावा सर्विलांस की मदद ली गई और आरोपियों की तलाश में उत्तराखंड व दिल्ली तक दबिश दी गई। लगातार जांच के बाद पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

हरदोई में व्यापारी के घर हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए घर के तीन नौकरों सहित 16 को गिरफ्तार किया।

रेलवेगंज निवासी थोक किराना व्यापारी पंकज अग्रवाल ने 17 जुलाई को शहर कोतवाली में घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुरुआती रिपोर्ट में उन्होंने चोरी गई रकम का जिक्र नहीं किया था। उन्होंने अपने यहां काम करने वाले 20 वर्षीय शोभित और दो नाबालिग कर्मचारियों पर शक जताया था।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शोभित और दो अन्य नाबालिग नौकर व्यापारी के यहां काम करते-करते परिवार के बेहद करीब हो गए थे। वे दुकान से लेकर घर तक बेरोकटोक आते-जाते थे और दोनों जगहों के छोटे-मोटे काम भी करते थे।

मुनीम का साला निकला मास्टरमाइंड

पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने में घर के तीन नौकर शोभित और दो नाबालिग शामिल थे, जबकि पूरी साजिश का मास्टरमाइंड व्यापारी के मुनीम संचित का साला अजय शुक्ला था। टड़ियावां थाना क्षेत्र के बेलाहा गांव निवासी अजय शुक्ला ने अपने दो साथियों शिवम और बदन के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। मुनीम का रिश्तेदार होने के कारण अजय को व्यापारी के लेनदेन और घर में रखी नकदी की पूरी जानकारी थी। उसने अपनी साजिश में व्यापारी के तीनों नौकरों को शामिल किया।

बरामद रकम में 10, 20, 50, 100, 200 और 500 रुपए के नोट शामिल हैं।

मंत्री के इस्तीफे से सिस्टम नहीं बदलेगा : अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी में कहा- गाय पशु नहीं माता है, सरकारी गोशाला का निरीक्षण करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने रविवार को विद्यामठ में बैठक की। इस दौरान शिक्षा, छात्र आंदोलन, गोरक्षा और उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों समेत कई अहम विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने हाल के छात्र आंदोलन को युवाओं की बड़ी जीत बताई। कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से संगठित संघर्ष के माध्यम से छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की और सरकार को जवाबदेह बनने पर मजबूर किया। शंकराचार्य ने कहा कि दिल्ली से शुरू हुआ छात्र आंदोलन धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गया। उन्होंने दावा किया कि छात्रों के संघर्ष के परिणामस्वरूप शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ। इसे देश की तरुणाई व लोकतांत्रिक आंदोलन की जीत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मंत्री का इस्तीफा पूरे सिस्टम को बदलने की गारंटी नहीं है, लेकिन इससे जवाबदेही तय होती है। सत्ता में बैठे लोगों के बीच जवाबदेही का संदेश जाता है। अयोध्या के हालात पर पूछे गए सवाल के जवाब में शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि कुछ संगठन संतों और महंतों पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना था कि संत समाज को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। शंकराचार्य ने अपनी 81 दिवसीय गोरक्षा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से संवाद किया। उनके अनुसार अधिकांश लोगों ने गाय को पशु नहीं बल्कि 'माता' बताया। उन्होंने कहा कि यदि समाज गाय को माता मानता है तो सरकारी स्तर पर उसे केवल पशु की श्रेणी में रखना उचित नहीं है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के उस विज्ञापन पर भी सवाल उठाए जिसमें गोआश्रय केंद्रों की व्यवस्थाओं को मॉडल बताया गया था। शंकराचार्य ने मांग की कि प्रदेश के सभी गोआश्रय केंद्रों के पिछले तीन से चार महीनों के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाएं, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

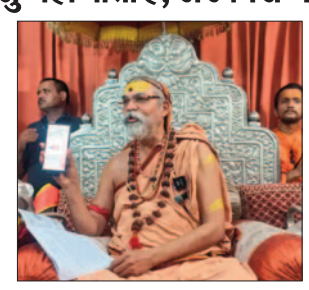

सैनिक बन्धु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर मंथन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ

कारगिल विजय दिवस पर वीरों का सम्मान

समारोह

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में रविवार को 27वां कारगिल विजय दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों को सम्मानित किया गया। इसके बाद सैनिक बन्धु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। आयोजन में कारगिल युद्ध विजेता, वीरता पुरस्कार विजेता, पूर्व सैनिक, वीर नारियां और जनपद के नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में शहीद सैनिक स्वर्गीय देवी प्रकाश सिंह (वीर चक्र) की पत्नी फूलपती देवी को वार्षिकी के रूप में 85,800 रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं, स्वर्गीय कैप्टन सौरभ गुप्ता (सेना मेडल-वीरता) के पिता पूर्व सूबेदार लालजी गुप्ता को 15,000 रुपये की वार्षिकी का चेक दिया गया। इसके अलावा संजाफी देवी, पत्नी पूर्व लीडिंग सीमैन स्वर्गीय ईश्वर दत्त (नौसेना मेडल-वीरता), पूर्व सूबेदार वर्मा इंद्रभान, पूर्व नायब सूबेदार इंद्रजीत और शहीद नायब सूबेदार भगवान सिंह की पत्नी दीपमाला को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि से शुरुआत

कार्यक्रम का शुभारंभ परमवीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद कारगिल युद्ध में देश के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल बीके शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कारगिल विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय सेना के साहस, शौर्य और बलिदान को याद किया।

समारोह में कारगिल युद्ध की वीरगाथा का वाचन किया गया। जनपद के कारगिल योद्धाओं ने युद्ध के दौरान अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान कारगिल युद्ध में प्रदेश और जिले के सैनिकों के योगदान को याद करते हुए पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया।

सैनिक बन्धु बैठक में छह नए मामलों पर हुई चर्चा

समारोह के बाद सैनिक बन्धु बैठक आयोजित की गई। इसमें पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की समस्याओं एवं कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि पिछली बैठक में प्राप्त सात प्रार्थना-पत्रों में से तीन का निस्तारण किया जा चुका है। शेष मामलों पर आवश्यक कार्रवाई चल रही है। इस बैठक में छह नए प्रार्थना-पत्रों पर भी चर्चा की गई।

नगर पंचायत की 83.86 लाख की ई-निविदा पर उठे सवाल

अनुभव प्रमाण-पत्र में गड़बड़ी का आरोप, मुख्यमंत्री से एफआईआर और कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर पंचायत इल्तिफातगंज की करीब 83.86 लाख रुपये की ई-निविदा प्रक्रिया को लेकर शिकायत सामने आई है। मामले में कथित रूप से कूटरचित अनुभव प्रमाण-पत्र के आधार पर निविदा में पात्रता हासिल करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ विभागीय व आपराधिक कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत के अनुसार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) एवं प्रभारी अधिकारी, स्थानीय निकाय अम्बेडकरनगर की 10 अप्रैल 2026 की जांच आख्या में ई-निविदा संख्या 1028, दिनांक 3 फरवरी 2026 से जुड़े मामले का उल्लेख किया गया है। बताया गया कि करीब 83.86 लाख रुपये के कार्य के लिए निविदाकार के पास कम से कम 28 लाख रुपये लागत के समान कार्य का अनुभव होना जरूरी था। आरोप है कि ठेकेदार रामअचल की ओर से नगर पंचायत जहांगीरगंज द्वारा जारी अनुभव प्रमाण-पत्र में एक कार्य की अनुमानित लागत 30.32 लाख रुपये दर्शाई गई थी।

शिकायतकर्ता का कहना है कि कथित रूप से गलत अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने वाले अधिकारी और उसका उपयोग करने वाले ठेकेदार के खिलाफ अभी तक कोई विभागीय या आपराधिक कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सरकारी निविदा प्रक्रिया में अनुचित लाभ लेने के लिए कथित गलत दस्तावेज का उपयोग किया गया।

कार्य की लागत को लेकर लगाया गया आरोप

शिकायत में दावा किया गया है कि संबंधित कार्य की वास्तविक स्वीकृत लागत 16.01 लाख रुपये थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अधिक लागत दर्शाए गए अनुभव प्रमाण-पत्र के आधार पर निविदा में पात्रता प्राप्त करने का प्रयास किया गया।

जांच रिपोर्ट में निविदा प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताया गया, जिसके बाद संबंधित ई-निविदा को निरस्त कर दिया गया।

फास्ट न्यूज

डीह बाबा स्थल पर झाड़ियों का कब्जा

आलापुर । विकासखंड जहांगीरगंज के मुबारकपुर पिकार स्थित एससी बस्ती में डीह बाबा स्थल की सफाई व्यवस्था बदहाल होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। परिसर, पानी की टंकी और सार्वजनिक खड़ंजा मार्ग पर बड़ी-बड़ी घास और झाड़ियां उग आई हैं। इससे पूजा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में सांप-बिच्छू निकलने का भय बना हुआ है।

मधईपुर जीवत में नहर की पटरी कटी

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। तहसील क्षेत्र के मधईपुर जीवत गांव के पास शनिवार देर शाम नहर की पटरी कटने से किसानों की परेशानी बढ़ गई। तेज बहाव के साथ नहर का पानी आसपास के खेतों में फैल गया। इससे दर्जनों किसानों की कृषि भूमि जलमग्न हो गई। हालांकि ग्रामीणों की सक्रियता से पानी को गांव की ओर बढ़ने से रोक लिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, शनिवार देर शाम अचानक नहर की पटरी कट गई। इसके बाद पानी तेजी से आसपास के खेतों और गांव की ओर बढ़ने लगा। स्थिति को देखते हुए ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कराई गई साफ-सफाई

अम्बेडकरनगर। गौरा महमदपुर ग्राम सभा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में साफ-सफाई कराई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से परिसर की नियमित सफाई नहीं होने से मरीजों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी बीच समाजसेवी एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष जिवंत और भावी क्षेत्र पंचायत सदस्य शिवम चौधरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

नीट में सफल विद्यार्थियों का होगा सम्मान, मार्गदर्शन कार्यक्रम

परिसर में बंदरों की समस्या के समाधान पर भी होगा काम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सहरपुर जिले के नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के लिए सम्मान एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज परिसर में बंदरों की बढ़ती समस्या के समाधान की दिशा में भी पहल की जा रही है। यह जानकारी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने दी।

प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज का उद्देश्य जिले के उन सभी छात्र-छात्राओं को एक मंच उपलब्ध कराना है, जिन्होंने इस वर्ष नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ उन्हें आगे की पढ़ाई और मेडिकल क्षेत्र में करियर को लेकर विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, रहम चाहते हैं कि जिले के सभी सफल विद्यार्थी एक मंच पर आएं। सम्मान के साथ उन्हें मेडिकल शिक्षा, करियर की संभावनाओं और आगे की चुनौतियों से जुड़ी उपयोगी जानकारी भी मिले। इससे उन्हें भविष्य की तैयारी में मदद मिलेगी। प्राचार्य ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम में अनुभवी चिकित्सक, विशेषज्ञ और मेडिकल शिक्षा से जुड़े जानकार सफल विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। इस दौरान एमबीबीएस की पढ़ाई, मेडिकल कॉलेज का शैक्षणिक माहौल, विभिन्न विशेषज्ञताओं के विकल्प और करियर की दिशा जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी।

डीएम ने आत्मा फार्म स्कूल में देखी डीएसआर तकनीक

धान की सीधी बुवाई से बदलेगी खेती की तस्वीर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। धान की खेती में लागत कम करने और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने ग्राम पंचायत परस कटुई स्थित आत्मा फार्म स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (SMAE) योजना के तहत डीएसआर (Direct Seeded Rice) यानी धान की सीधी बुवाई विधि से तैयार फसल का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खेत में अपनाई जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों को देखा और किसानों से बातचीत कर डीएसआर विधि से जुड़े उनके अनुभवों की जानकारी ली। इस दौरान उप निदेशक कृषि अश्विनी सिंह भी मौजूद रहे। आत्मा फार्म स्कूल में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. रामजीत और कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने किसानों को डीएसआर तकनीक की विस्तृत जानकारी दी। किसानों को धान की सीधी बुवाई की प्रक्रिया, उन्नत बीजों के चयन, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण और कृषि निवेशों के सही उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि डीएसआर तकनीक में धान की पौध तैयार कर रोपाई करने के बजाय सीधे खेत में बीज बोए जाते हैं। इससे पारंपरिक खेती की तुलना में पानी, बीज और श्रम की बचत होती है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने किसानों से वैज्ञानिक और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि धान की सीधी बुवाई तकनीक अपनाने से खेती की लागत में कमी लाई जा सकती है। इस विधि में सिंचाई की आवश्यकता कम होती है और मजदूरी पर होने वाला खर्च भी घटता है। विशेषज्ञों के अनुसार, उचित प्रबंधन के साथ इस तकनीक से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

स्कूल-कॉलेज और कोचिंग सेंटरों के बाहर पुलिस की सघन चेकिंग

अम्बेडकरनगर में चला 'ऑपरेशन मजनू'

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर अम्बेडकरनगर पुलिस ने जिलेभर में विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संचालित 'ऑपरेशन मजनू' के तहत सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति पुलिस टीम ने प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

अभियान के दौरान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में प्रमुख चौराहों, पार्कों, स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग सेंटरों के आसपास एंटी रोमियो अभियान के तहत चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने इन स्थानों पर मौजूद लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

कोचिंग सेंटरों और पार्कों के बाहर बिना किसी स्पष्ट कारण के घूम रहे युवकों तथा असामाजिक तत्वों से पुलिस ने पूछताछ की। जांच के दौरान संदिग्ध पाए गए लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई और सार्वजनिक स्थानों पर अनुचित गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी गई। अभियान के दौरान मिशन शक्ति पुलिस टीम ने छात्राओं और महिलाओं से संवाद किया। उन्हें आपातकालीन स्थिति में पुलिस और अन्य सेवाओं से तत्काल सहायता लेने के लिए जारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

एंटी रोमियो अभियान के तहत संदिग्ध युवकों से पूछताछ, छात्राओं और महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

लोहिया भवन में जुटे समाज के लोग और पार्टी कार्यकर्ता, कैबिनेट मंत्री ने सामाजिक भागीदारी

दक्ष प्रजापति जयंती में ओमप्रकाश राजभर ने दिया एकजुटता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह के बहाने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने रविवार को अकबरपुर में अपनी सामाजिक और राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराई। हवाई पट्टी के सामने स्थित लोहिया भवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के लोगों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

समारोह की शुरुआत महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद ओमप्रकाश राजभर ने मंच से सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती और समाज के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति का जीवन त्याग, परिश्रम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रसेवा का संदेश देता है। उनके विचारों को अपनाकर समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूती विकास के लिए जरूरी है।

संगठन और अधिकारों के मुद्दे पर रखा पक्ष

सामाजिक न्याय के मुद्दे पर सरकार की नीतियों का किया उल्लेख

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सुभासपा समाज के सभी वर्गों के सम्मान, अधिकार और भागीदारी के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और योजनाओं का लाभ पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सरकार की ओर से सामाजिक न्याय और सभी वर्गों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

समारोह में ओमप्रकाश राजभर ने कार्यकर्ताओं को संगठन की ताकत बताते हुए कहा कि जनता का विश्वास और कार्यकर्ताओं की सक्रियता किसी भी राजनीतिक संगठन की आधारशिला होती है। उन्होंने सामाजिक संपर्क बढ़ाने और लोगों के मुद्दों से जुड़े रहने पर जोर दिया।

बारिश से खराब सड़कों की होगी मरम्मत, गड्ढा मुक्ति अभियान तेज

लोक निर्माण विभाग ने शुरू किया विशेष अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बारिश के दौरान सड़कों पर बने गड्ढों से लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने गड्ढा मुक्ति अभियान तेज कर दिया है। विभाग की ओर से जिले की सड़कों की नियमित निगरानी कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराई जा रही है।

लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिशासी अभियंता सौरभ सिंह ने बताया कि वर्षा ऋतु में सड़कों पर गड्ढे बनने की समस्या सामने आती है। इसके समाधान के लिए विभाग लगातार अभियान चलाकर सड़कों की स्थिति की जांच कर रहा है। जहां भी सड़क क्षतिग्रस्त मिल रही है, वहां तत्काल मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।

वर्तमान में भीटी–हैदरगंज मार्ग और खजुरी से खमपुर होते हुए वनगांव संपर्क मार्ग पर गड्ढा मुक्ति और मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इन मार्गों के खराब हिस्सों को दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे आवागमन में लोगों को राहत मिल सके। अधिशासी अभियंता सौरभ सिंह ने बताया कि आमजन को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मरम्मत कार्य को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्य को जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

लोक निर्माण विभाग की ओर से बारिश के दौरान सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि क्षतिग्रस्त स्थानों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराई जा रही है, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

मेधावियों को मिलेगा सम्मान और छात्रवृत्ति एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी ने की घोषणा

6 सितंबर को होगा प्रतिभा अलंकरण समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले की एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। संस्था की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उत्कृष्ट शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

संस्था के निदेशक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. तिवारी ने बताया कि प्रतिभा अलंकरण समारोह 6 सितंबर को रामशब्द स्मृति पीजी कॉलेज, बिशुनपुर बजदहा में आयोजित किया जाएगा। समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। संस्था का उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करना है।

एकेडमिक रिसर्च सोसाइटी की ओर से मेधावी विद्यार्थियों के लिए 'पंडित राम मनोरथ त्रिपाठी स्मृति छात्रवृत्ति' की घोषणा की गई है।

हाईस्कूल-इंटर के टॉपर छात्रों के साथ उत्कृष्ट शिक्षकों को भी मिलेगा सम्मान

लाभ : अम्बेडकरनगर के 1130 से अधिक शिक्षकों को मिलेगा बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहत प्रदेश के 1.28 लाख से अधिक उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों और उनके आश्रित परिवारजनों को गुणवत्तापूर्ण कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। अम्बेडकरनगर जिले के 1130 से अधिक शिक्षक भी इस योजना के दायरे में आए हैं।

योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण अम्बेडकरनगर के कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक और अन्य संबंधित अधिकारी भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जिले के पात्र शिक्षकों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। साथ ही योजना की पात्रता, मिलने वाली सुविधाओं और कैशलेस इलाज की पूरी प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत पात्र शिक्षक और उनके आश्रित सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

'स्वास्थ्य सुरक्षा को मिलेगा नया आधार'

विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि योजना से इलाज के दौरान आर्थिक बोझ कम होगा और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि सरकार शिक्षकों के हित में लगातार योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिससे शिक्षकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की पहल

न्योरी बाजार में भारत बेकरी का उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के न्योरी बाजार में भारत बेकरी का उद्घाटन रविवार को संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन सपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा यादव, जिला पंचायत सदस्य अश्विनी यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलिराम गौतम और भाजपा नेता प्रदुम्न गुप्ता ने किया।

उद्घाटन के बाद सीमा यादव ने कहा कि स्वरोजगार स्थानीय स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस तरह के छोटे व्यवसाय नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे प्रयासों से उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में सपा नेता मुसाब अजीम, बदरूज्जमा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद जाकिर, पूर्व प्रधान कासिम फारुकी, डॉ. हाशिम फारुकी, सपा नेता इसरार अहमद, मोहम्मद तालिब, सईम खां, फैज फारूकी, सैय्यद आफताब आलम, मोहम्मद फारूकी, सुफियान फारूकी, रहमुल्ला खां, आनंद कुमार, अजीत यादव और सविंदर यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में भारत बेकरी के प्रोप्राइटर सैय्यद इंतखाब आलम ने उद्घाटन समारोह में शामिल सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी का धन्यवाद देते हुए सहयोग के लिए आभार जताया।

सम्पादकीय

त्यागपत्र से उठे सवाल

आखिरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा। यह त्यागपत्र यह भी ध्वनित कर रहा है कि सरकार काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर प्रदर्शनरत छात्रों के दबाव में आ गई। लोकतंत्र में जनमत और विशेष रूप से छात्रों की इच्छा का पालन करने में कोई बुराई नहीं। यह ध्यान रहे कि नीट पेपर लीक से लाखों छात्र प्रभावित हुए थे और उनके साथ अन्य अनेक लोग भी आक्रोशित थे। यह आक्रोश सहज था और सरकार को इसकी चिंता भी करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा करते हुए उसे यह संदेश भी नहीं देना चाहिए था कि जंतर-मंतर पर छात्रों के बीच घुसे अराजक तत्वों की हिंसा से बचने के लिए उसने शिक्षा मंत्री से त्यागपत्र लेना आवश्यक समझा। ध्यान रहे धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा कि जंतर-मंतर पर पैदा हुई स्थिति का लाभ राष्ट्रविरोधी ताकतें न उठा लें, इसलिए वे इस्तीफा सौंप रहे हैं। वैसे यदि शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना ही था तो नीट पेपर लीक के बाद ही क्यों नहीं दिया? इसकी तो मांग भी हुई थी। इसी तरह सरकार ने सीजेपी के धरने और खासकर उसके संसद मार्च के दौरान हिंसा के बाद पेपर लीक के दोषियों को दंडित करने और परीक्षाओं में सेंध लगने की समस्या से निपटने के लिए जो अनेक कदम उठाए, वे पहले क्यों नहीं उठाए जा सके? यदि ऐसा किया गया होता तो शायद सीजेपी के धरना देने की नौबत ही नहीं आती। यह स्वाभाविक है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र का श्रेय लेने के लिए विपक्ष आगे आ गया है, लेकिन सच यह है कि इस इस्तीफे के साथ ही सीजेपी के सौजन्य से उसके हाथ आया मुद्दा केवल फिसल ही नहीं गया, बल्कि उसके सामने यह प्रश्न भी खड़ा हो गया है कि वह अपने शासित राज्यों और खासकर कर्नाटक, पंजाब आदि में पेपर लीक के मामलों में वहां के शिक्षा मंत्रियों से त्यागपत्र देने की मांग कब करेगा? क्या ऐसी कोई मांग सीजेपी भी करेगी? ऐसे प्रश्नों के बीच यह समझा जाए कि त्यागपत्र राजनीतिक जवाबदेही की पूर्ति के साथ लोगों के गुस्से को शांत भले कर दें, लेकिन वे समस्या का समाधान नहीं करते। पेपर लीक समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता, जब तक शिक्षा और परीक्षा की पूरी व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन नहीं किए जाते। ऐसे परिवर्तन अभी भी वांछित हैं। देखना है कि धर्मेंद्र प्रधान की जगह लेने वाले नए शिक्षा मंत्री शिक्षा और परीक्षा में अपेक्षित सुधार कर पाते हैं या नहीं? धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के साथ ही सरकार जिस तरह सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ दर्ज एफआइआर वापस लेने पर सहमत हुई, उससे यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि क्या उत्पात मचाने वाले अराजक तत्वों को भी बख्श दिया जाएगा?

किताबों की ओर

कहा जाता है जीवन में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान का एक सही महत्वपूर्ण साधन सद्साहित्य पठन है । संत प्रवचन, सद्साहित्य पठन, आदि में बराबर सुनते हैं,पढ़ते हैं, कि जहं- जहां तक ध्यान जाता हैं वैसे ही भावों का निर्माण होता है । हमारे अगर बातचीत में नकारात्मक शब्दों का प्रयोग होगा तो हमारे अन्दर उन्हीं भावों का संयोग निर्मित हो जाएगा। यथा हम अगर कहेंगे मैं झगड़ा नहीं करना चाहता , ऐसा बोलना ही झगड़े पर ध्यान जाना है और हमारे अंदर उन्हीं परमाणुओं का सर्जन होना हैं । अतः इसे दूसरी तरह से कहें कि मैं शांति चाहता हूं वह तब शांति के परमाणुओं का निर्माण होगा और हमारा अंतश शांति के परमाणुओं का संज्ञान लेगा । ब्रह्मांड प्रकंपनों पर काम करता है । हमारे विचारों पर प्रकंपन बनते हैं । अतः हम सदा सकारात्मक शब्दों का ही प्रयोग करें ताकि सकारात्मक प्रकंपनों का संयोग हो। एक और उदाहरण मत कहिए मैं बीमार होना नहीं चाहता । वह कहिए मैं स्वस्थ रहना चाहता हूं । मत कहिए मैं असफल होना नहीं चाहता । वह कहिए मैं सफल होना चाहता हूं आदि-आदि। हम यह सब जानते तो हैं पर बातचीत करते वक्त ध्यान नहीं देते हैं, प्रायः भूले ही रहते हैं । अतः हम अब मन ही मन दृढ़ संकल्प कर लें कि मैं सदा सकारात्मक शब्द बोलूंगा अन्यथा मौन निशब्द रह जाऊंगा। हम अपने अतीत के गलियारों में झांके तो हमको याद आयेंगे हमारे बचपन के वह दिन जब स्कूली किताबों से ज्यादा कहनियां एवं अन्य साहित्य में अतिरिक्त रुचि हुआ करती थी । चाहे मौसम परीक्षा का हों या छूटिट्यों का नन्दन, चंपक, पराग, अमर चित्र कथा, ट्विंकल आदि- आदि हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे । वह साथ - साथ में जैन विधा आदि का भी क्रम चलता रहा । वह जैसे - जैसे हमारी उम्र बढ़ती गईं, किताबें भी बदलती चली गईं । वह बाल- किताबों के स्थान पर सरिता, मुक्ता, सुमन सौरभ, इंडिया टुडे, रीडर्स डाइजेस्ट आदि - आदि आ गए। वह धर्म का लेखन , सिखना , 51 थोकडें कंठस्थ करना आदि भी क्रम रहा । वह तरुणावस्था के साथ फिर आगे हमारे जीवन में किताबों ने मोड़ लिया और अलमारी भरने लगी उत्तराध्ययन सूत्र, आगम, भिक्षु विचार दर्शन , भगवान् महावीर , आचार्य श्री तुलसी और आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के साहित्य आदि - आदि की पुस्तकों से ।

› प्रदीप छाजेड़

कॉकरोच आंदोलन - डिजिटल युग में जनमत का नया स्वरूप

> 66 डिजिटल तकनीक और इंटरनेट ने जनसंपर्क के इस पारंपरिक स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। अब किसी एक ज्वलंत मुद्दे पर देशभर के लोग बिना किसी केंद्रीय नेतृत्व या औपचारिक संगठन के एक-दूसरे से सीधे जुड़ सकते हैं।

'काॅकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले युवाओं के अभूतपूर्व और स्वतःस्फूर्त आंदोलन की असाधारण सफलता ने देश के राजनीतिक गलियारों को हिलाकर रख दिया है। किसी स्थापित राजनीतिक झंडे, जाने-पहचाने चेहरे या पारंपरिक सांगठनिक ढांचे के बिना केवल डिजिटल मंचों से उपजे इस जन-आक्रोश के आगे अंततः सरकार को घुटने टेकने और झुकने पर मजबूर होना पड़ा। यह अभूतपूर्व सफलता इस बात की स्पष्ट और गंभीर मुनादी है कि भारतीय राजनीति अब एक बिल्कुल नए और निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुकी है। वह दौर, जहाँ सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग अब जन-आकांक्षाओं को अपनी शर्तों पर नियंत्रित करने, दबाने या टालने का दावा नहीं कर सकते।

इक्कीसवीं सदी में सूचना महाक्रांति ने जनमत निर्माण और राजनीतिक भागीदारी के पूरे पारंपरिक स्वरूप को बुनियादी रूप से बदल कर रख दिया है। चुनावी सफलता, मजबूत सांगठनिक ढांचा, अनुशासित कार्यकर्ता तंत्र और संसाधनों के बावजूद अब कोई भी राजनीतिक दल जनभावनाओं को पूरी तरह नियंत्रित करने में सक्षम नहीं है। इस स्वतःस्फूर्त युवा आंदोलन ने यह साफ कर दिया है कि बिना किसी स्थापित कमान या औपचारिक संगठन के भी लाखों लोग एक साझा मुद्दे पर रातों-रात एकजुट होकर सत्ता को जवाबदेह बना सकते हैं। सोशल मीडिया ने हर नागरिक को जनमत का एक सक्रिय वाहक और निर्माता बना दिया है। यह बदलता परिदृश्य सभी राजनीतिक दलों के लिए स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय की राजनीति केवल नारों और प्रबंधन से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारदर्शिता और त्वरित संवेदनशीलता पर ही टिकी होगी। भारत में आंदोलनों का एक बेहद समृद्ध और जीवंत इतिहास रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1970 के दशक का ऐतिहासिक जेपी आंदोलन, मंडल आयोग विरोधी प्रदर्शन, राम मंदिर आंदोलन, अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान और हाल का किसान आंदोलन—इन सभी बड़े जन-उभारों में एक बात समान थी। इनका एक स्पष्ट, दृश्यमान और स्थापित नेतृत्व हुआ करता था। उनके पास एक औपचारिक संगठन या संयुक्त मोर्चा होता था और सरकारें भी प्रतिनिधियों के माध्यम से बातचीत करती थीं। परंतु आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ऐसे आंदोलनों की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि इन्हें किसी एक राजनीतिक दल का 'प्रायोजित आंदोलन' कहकर खारिज करना या किसी एक प्रमुख नेता को निशाना बनाकर उसकी धार कुंद करना अब सत्ता के लिए आसान नहीं रह गया है। हाल ही में हुए इस व्यापक विरोध प्रदर्शन को केवल किसी एक परीक्षा के रद्द होने, भर्ती प्रक्रिया की धांधली या किसी तात्कालिक निर्णय तक सीमित करके देखना बड़ी राजनीतिक भूल होगी। इन स्वतःस्फूर्त प्रदर्शनों के पीछे युवा पीढ़ी की वे गहरी चिंताएं हैं, जो लंबे समय से सतह के नीचे उबल रही थीं। रोजगार के लगातार सिमटते अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आने वाली अनियमितताएं, सरकारी नियुक्तियों में अंतहीन विलंब, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अपने भविष्य को लेकर गहराती असुरक्षा की भावना—इन सबने मिलकर असंतोष का एक बड़ा गुबार पैदा किया है।

भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे युवा देशों में माना जाता है। यह विशाल युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन यदि युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं और उन्हें मिलने वाले वास्तविक अवसरों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होगी, तो उसका सीधा असर देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर पड़ना स्वाभाविक है। आज का जागरूक युवा अब केवल राजनेताओं के भाषणों या राजनीतिक आश्वासनों से संतुष्ट होने वाला नहीं है। वह वर्तमान में ठोस अवसर, परीक्षा प्रणाली में शत-प्रतिशत पारदर्शिता और त्वरित परिणाम चाहता है। सत्तारूढ़ दल की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल संगठन, बूथ स्तर तक फैले कार्यकर्ता और अचूक माना जाने वाला चुनावी प्रबंधन है। लेकिन जब जन-विरोध किसी स्थापित विपक्षी दल के बजाय समाज के भीतर से स्वतःस्फूर्त ढंग से उभरता है, तब चुनौती का स्वरूप बदल जाता है। ऐसे आंदोलनों में विरोध का कोई एक चेहरा नहीं होता, जिससे बंद कमरों में वार्ता की जा सके। इसलिए इन्हें केवल 'विपक्ष की साज़िश' बताकर खारिज करना सरकार के लिए राजनीतिक रूप से घाटे का सौदा साबित होता है। ऐसी स्थितियों में सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता का विश्वास बनाए रखने की कठिन परीक्षा होती है। लोकतंत्र में जनविश्वास ही किसी भी चुनी हुई सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी होता है। दूसरी तरफ, ऐसे नेता-विहीन आंदोलन विपक्षी दलों को राजनीतिक अवसर तो अवश्य प्रदान करते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि विपक्ष स्वतः ही उनका स्वाभाविक नेतृत्व हासिल कर लेता है। यदि विपक्षी दल इन जनांदोलनों के साथ संवेदनशीलता से खड़े दिखाई देते हैं, तो उन्हें अप्रत्यक्ष राजनीतिक लाभ मिल सकता है परंतु यदि वे इन आंदोलनों को पूरी तरह हथियाने या अपने चुनाव प्रचार में बदलने की कोशिश करते हैं, तो इससे आंदोलन की अपनी निष्पक्षता और आम जनता में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। यानी यह नया परिदृश्य सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष—दोनों से ही अधिक परिपक्वता और संवेदनशीलता की मांग करता है।सूचना महाक्रांति ने मुख्यधारा के मीडिया के एकाधिकार को भी समाप्त कर दिया है। अतीत में सूचनाओं के प्रवाह पर जिन माध्यमों का नियंत्रण था, उन पर समय-समय पर राजनीतिक या व्यावसायिक दबावों के आरोप लगते रहे हैं। आज स्मार्टफोन हाथ में लिए खड़ा लगभग हर नागरिक एक संभावित 'सिटिजन रिपोर्टर' है। कहीं भी घटित होने वाली घटना या प्रशासनिक लापरवाही का दृश्य कुछ ही पलों में दुनिया के सामने आ जाता है। यही कारण है कि अब किसी घटना को दबा देना या केवल एकतरफा कहानी को स्थापित कर पाना बेहद कठिन हो गया है। हालांकि, इसका दूसरा पहलू यह भी है कि यही मंच कभी-कभी अपुष्ट सूचनाओं और अफ़वाहों का जरिया भी बन जाता है, जिससे निपटना समाज और प्रशासन दोनों के लिए एक चुनौती है। भारतीय राजनीति दशकों तक मुख्य रूप से जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और अस्मिता पर आधारित मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इन विषयों का महत्व पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन अब रोजगार, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, प्रशासनिक जवाबदेही और अवसरों की समानता जैसे मुद्दे तेजी से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ रहे हैं। विशेषकर युवा मतदाता अब राजनीतिक दलों का मूल्यांकन केवल नारों से नहीं, बल्कि उनके वर्तमान प्रदर्शन और कार्यशैली के आधार पर कर रहा है। किसी भी जीवंत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उसकी चेतना का प्रमाण होते हैं।

- जयसिंह रावत

पर्यावरण विज्ञान...

अंजली, शोधार्थी पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञानः केवल प्रकृति का अध्ययन नहीं, भविष्य के रोजगार का बढ़ता हुआ क्षेत्र

आज के समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद आज भी बहुत से विद्यार्थी और अभिभावक इस विषय को केवल पेड़-पौधों और पर्यावरण संरक्षण तक सीमित समझते हैं। वास्तव में, पर्यावरण विज्ञान एक व्यापक, बहुविषयक और तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है, जिसमें रोजगार और करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

पर्यावरण विज्ञान का संबंध वायु, जल, मृदा, वन, वन्यजीव, जलवायु, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा, मानव स्वास्थ्य और सतत विकास जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों से है। यही कारण है कि आज सरकारी विभागों, शोध संस्थानों, उद्योगों, पर्यावरणीय सलाहकार कंपनियों और गैर-सरकारी संगठनों में पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट, एनवायरनमेंटल ऑफिसर, एनवायरनमेंटल कंसल्टेंट, एनवायरनमेंटल एनालिस्ट, ईएचएस ऑफिसर, सस्टेनेबिलिटी प्रोफेशनल, एनवायरनमेंटल ऑडिटर और रिसर्चर जैसे पदों पर कार्य कर सकते हैं।

सरकारी क्षेत्र में केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, केंद्रीय भूजल बोर्ड, भारतीय वन सर्वेक्षण, वन्यजीव संरक्षण से जुड़े संस्थानों तथा विभिन्न सरकारी शोध संस्थानों में पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त, यूपीएससी, स्टेट पीएससी, यूजीसी-नेट, गेट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से भी विद्यार्थी सरकारी सेवाओं, शिक्षण और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। आज प्रत्येक बड़े उद्योग को पर्यावरणीय नियमों का पालन करना आवश्यक है। चीनी, सीमेंट, कागज, वस्त्र, रासायनिक, औषधि, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित पर्यावरण विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

एनवायरनमेंटल इंपैक्ट असेसमेंट (ईआईए), एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग, पॉल्यूशन कंट्रोल, वेस्ट मैनेजमेंट, एनवायरनमेंटल कंप्लायंस, सस्टेनेबिलिटी और ईएसजी जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर तेजी से विकसित हो रहे हैं।

पर्यावरण विज्ञान का दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है। आज विद्यार्थी जीआईएस और रिमोट सेंसिंग, क्लाइमेट चेंज, कार्बन फुटप्रिंट असेसमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सर्कुलर इकोनॉमी, ग्रीन बिल्डिंग, एनवायरनमेंटल डेटा एनालिसिस और एनवायरनमेंटल हेल्थ जैसे आधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

इसलिए यह विषय उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिनकी रुचि विज्ञान, प्रकृति, शोध, तकनीक और समाज से जुड़े मुद्दों में है।

पर्यावरण विज्ञान में विद्यार्थी बी.एससी., एम.एससी. और पीएच.डी. स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। देश के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बी.एससी. एवं एम.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध बरेली कॉलेज, बरेली में भी पर्यावरण विज्ञान विभाग विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा और शोध का अवसर प्रदान कर रहा है। यहां विद्यार्थी बी.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस, एम.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस तथा पीएच.डी. इन एनवायरनमेंटल साइंस के माध्यम से इस क्षेत्र में अपना शैक्षणिक और शोध करियर बना सकते हैं। विभाग में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला कार्य, क्षेत्रीय अध्ययन, औद्योगिक भ्रमण, पर्यावरणीय सर्वेक्षण और शोध गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जैसे संस्थानों में पर्यावरण विज्ञान की शिक्षा और शोध के अवसर उपलब्ध हैं।

यह दर्शाता है कि पर्यावरण विज्ञान आज एक उभरता हुआ और व्यापक अवसरों वाला विषय है, जिसमें उच्च शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी सेवाओं, उद्योगों, पर्यावरण परामर्श तथा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

पर्यावरण विज्ञान केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण करियर क्षेत्र है। आने वाले समय में पर्यावरणीय समस्याओं के बढ़ने के साथ-साथ इस क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ेगी।

इसलिए विद्यार्थियों को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण विज्ञान में करियर के अवसर सीमित नहीं, बल्कि व्यापक और लगातार बढ़ते हुए हैं। जो विद्यार्थी विज्ञान के साथ-साथ प्रकृति, तकनीक, शोध और समाज के लिए काम करना चाहते हैं, उनके लिए पर्यावरण विज्ञान एक बेहतरीन करियर विकल्प बन सकता है। आज के समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

रवि कुमार का...

डॉ0 सीमा गुप्ता

कानपुर देहात में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से रंग लाई स्वरोजगार की पहल

प्रदेश सरकार के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को नई पहचान मिल रही है। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना' (पीएमएफएमई) ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जनपद कानपुर देहात में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लाभ मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को नई ऊर्जा देने और स्वरोजगार के अवसरों को गति प्रदान करने में यह योजना एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। केंद्र प्रायोजित इस योजना के सफल क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में योजना के तहत प्राप्त ऋण आवेदनों के निस्तारण/वितरण में ''99 प्रतिशत'' की अभूतपूर्व सफलता दर दर्ज की गई है, जो प्रशासनिक दक्षता और सूक्ष्म उद्यमों को धरातल पर मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इसी सफलता का एक जीवंत उदाहरण जनपद कानपुर देहात के ग्राम बादशाहपुर नौहुआ नौगांव निवासी श्री रवि कुमार हैं, जिन्होंने इस योजना के माध्यम से अपने पारंपरिक डेयरी व्यवसाय को आधुनिक उद्योग का स्वरूप दिया है। रवि कुमार लगभग 18 वर्षों से दूध एवं दुग्ध-उत्पाद निर्माण के कार्य से जुड़े हैं। वर्ष 2007 में उन्होंने अपने बड़े भाई के साथ व्यवसाय की शुरुआत की तथा वर्ष 2016 से स्वयं का उद्यम संचालित करने लगे। सीमित संसाधनों के साथ साधारण भट्टी और कढ़ाही पर खोया तैयार कर कानपुर की हटिया मंडी में बेचने से शुरू हुआ यह सफर आज आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तक पहुंच चुका है।

रवि कुमार का जीवन संघर्षों से भरा रहा। पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उन्हें हाईस्कूल की शिक्षा के बाद ही आजीविका के लिए दुग्ध व्यवसाय से जुड़ना पड़ा। योजना के अंतर्गत रवि कुमार को बैंक से ऋण के रूप में बड़ी वित्तीय सहायक प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहायता से उन्होंने राजस्थान से आधुनिक बॉयलर एवं स्टीम जैकेट युक्त कढ़ाही मंगवाकर अपने प्रतिष्ठान में स्थापित की, जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज उनकी इकाई में प्रतिदिन लगभग चार क्विंटल (कुंतल) दूध का प्रसंस्करण कर एक क्विंटल खोया तैयार किया जाता है, जिसकी आपूर्ति कानपुर की हटिया मंडी सहित आसपास के बाजारों में की जाती है। त्योहारों के समय उत्पादन बढ़ाकर लगभग 150 किलोग्राम प्रतिदिन तक कर दिया जाता है। नई तकनीक अपनाने से उत्पादन लागत में भी भारी कमी आई है। पहले प्रति क्विंटल दूध पर लगभग 100 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती थी, जो अब घटकर 50 किलोग्राम रह गई है। इसके साथ ही, जहाँ पहले तीन श्रमिकों की आवश्यकता होती थी, वहीं अब एक सहायक के सहयोग से ही कार्य सुचारु रूप से संचालित हो रहा है।

जरा हटके

इन वृक्षों से न केवल...

रवि यादव

कपि वन मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की दिशा में उत्तर प्रदेश की अभिनव पहल

उत्तर प्रदेश में बढ़ती शहरी आबादी, तेजी से हो रहे नगरीकरण और प्राकृतिक आवासों में निरंतर कमी के कारण बंदरों तथा मनुष्यों के बीच संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शहरों और कस्बों में बंदरों की बढ़ती संख्या से जहां आमजन को जान-माल की हानि, दुर्घटनाओं और दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर बंदर भी अपने प्राकृतिक आवास और भोजन के अभाव में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने के लिए विवश हो जाते हैं। यह स्थिति केवल सामाजिक चुनौती ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के दृष्टिकोण से भी गंभीर विषय है। इसी चुनौती का स्थायी और प्रकृति आधारित समाधान खोजने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत 'कपि वन' की अभिनव अवधारणा को साकार किया है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य स्थापित करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा बंदरों को उनके प्राकृतिक परिवेश में भोजन और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बीते कुछ वर्षों में प्रदेश के अनेक नगरों और कस्बों में बंदरों की संख्या में वृद्धि हुई है। भोजन और सुरक्षित आवास की तलाश में बंदर आबादी वाले क्षेत्रों, बाजारों, मंदिरों, विद्यालयों तथा आवासीय कॉलोनियों में पहुंच जाते हैं। इससे लोगों पर हमले, खाद्य सामग्री की क्षति, फसलों का नुकसान तथा सड़क दुर्घटनाओं जैसी घटनाएं सामने आती हैं। कई बार बंदरों के काटने अथवा घायल करने की घटनाओं से जनसामान्य में भय और आक्रोश भी उत्पन्न होता है। दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि बंदर स्वभावतः वन्यजीव हैं और उनका प्राकृतिक निवास स्थान जंगल हैं। वनों के सिकुड़ने, फलदार वृक्षों की कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों के घटने के कारण वे मानव बस्तियों की ओर आकर्षित होते हैं। इसलिए समस्या का समाधान केवल उन्हें आबादी से हटाने में नहीं, बल्कि उनके लिए ऐसा प्राकृतिक वातावरण विकसित करने में है, जहां उन्हें पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सके। बंदरों के प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार ने 21 जुलाई 2026 को आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक नगर निकाय नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के बाहरी क्षेत्रों में कपि वन स्थापित करने का निर्णय लिया। इस योजना का उद्देश्य बंदरों को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे भोजन की तलाश में शहरों और गांवों में प्रवेश न करें। कपि वन ऐसे हरित क्षेत्र हैं, जहां बंदरों के लिए पूरे वर्ष प्राकृतिक रूप से भोजन उपलब्ध रहे तथा उन्हें सुरक्षित आवास भी प्राप्त हो। प्रदेश में कपि वन की स्थापना के लिए ऐसी भूमि का चयन किया गया, जो अवनत अथवा कम उपयोग में आने वाली थी। इससे एक ओर अनुपयोगी भूमि का पर्यावरणीय दृष्टि से सदुपयोग हुआ, वहीं दूसरी ओर नए हरित क्षेत्र विकसित करने का अवसर मिला। इस पहल से बंजर एवं अवनत भूमि को भी पर्यावरण संरक्षण की मुख्यधारा से जोड़ा गया। कपि वन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें लगाए गए पौधों का चयन वैज्ञानिक आधार पर किया गया है। ऐसे फलदार वृक्ष लगाए जा रहे हैं जिनमें अलग-अलग मौसम में फल आते हैं, ताकि बंदरों को वर्षभर प्राकृतिक भोजन उपलब्ध होता रहे। कपि वन में मुख्य रूप से बड़हल, आम, जामुन, अमरूद, बेल, गूलर, कटहल, बेर, शहतूत, पीपल और अंजीर जैसी प्रजातियों का रोपण किया गया है। इन वृक्षों से न केवल बंदरों को भोजन मिलेगा, बल्कि अनेक पक्षियों, गिलहरियों और अन्य वन्यजीवों के लिए भी प्राकृतिक आवास और खाद्य स्रोत विकसित होंगे। फलदार वृक्षों की यह श्रृंखला जैव विविधता को बढ़ाने, परागण करने वाले जीवों के संरक्षण तथा स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश में 21 जुलाई 2026 को आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत कपि वन स्थापना का अभियान पूरे प्रदेश में एक साथ संचालित किया गया। प्रत्येक नगर निकाय के बाहरी क्षेत्र में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर कपि वन विकसित किया गया। इस अभियान के दौरान प्रदेशभर में 21,755.59 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,43,049 फलदार पौधों का रोपण किया गया। प्रदेश द्वारा स्थापित किए जा रहे कपि वन केवल एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर लागू की गई पर्यावरणीय एवं वन्यजीव संरक्षण की योजना है। कपि वन की स्थापना में नगर विकास विभाग तथा आवास विकास विभाग ने व्यापक सहयोग एवं सहभागिता निभाई। नगर निकायों द्वारा उपयुक्त भूमि का चयन, पौधरोपण स्थलों का विकास, स्थानीय स्तर पर समन्वय तथा पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इन विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप भूमि चिन्हित कर पौधरोपण कराया। आवास विकास विभाग ने भी अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्रों में कपि वन विकसित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का सशक्त मॉडल बनी 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' : केशव प्रसाद मौर्य

'मन की बात' में गूंजी बिजनौर की महिलाओं की सफलता

सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में बिजनौर जिले की महिलाओं द्वारा तैयार 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' का उल्लेख किया जाना उत्तर प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लाखों महिलाओं के लिए गौरव, सम्मान और नई प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और महिला सशक्तिकरण का

संकल्प निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है तथा यह उपलब्धि उसी परिवर्तनकारी सोच का सशक्त उदाहरण है। मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में इस पहल का उल्लेख उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगा तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के अभियान को और गति मिलेगी।

'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' को मिला राष्ट्रीय सम्मान

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी'

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजनौर के विकास खंड कोतवाली के ग्राम लखीवाला की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' स्थानीय संसाधनों, नवाचार और महिला उद्यमिता का उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभरी है। लेमनग्रास, गिलोय, मुलेठी, तुलसी, कच्ची हल्दी, दालचीनी, इलायची और सौंफ जैसी प्राकृतिक सामग्री से तैयार यह हर्बल टी लगभग रू 1 लाख की छोटी शुरुआत से आज देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक अपनी पहचान बना चुकी है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी संभावनाएं मजबूत कर रही है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी सभी माताओं-बहनों एवं पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह ब्रांड ग्रामीण महिलाओं को स्थायी बाजार उपलब्ध कराने के साथ उनके उत्पादों के प्रभावी विपणन का मजबूत माध्यम बना है। इसी का परिणाम है कि बिजनौर जनपद में 30 हजार से अधिक लखपति दीदियों के निर्माण में इस पहल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसकी पूर्णतः डिजिटल सप्लाई चेन एवं विपणन व्यवस्था के माध्यम से वेब पोर्टल और मोबाइल एप के जरिए ऑर्डर प्रबंधन, उत्पाद ट्रेसबिलिटी, इन्वेंट्री तथा वितरण प्रणाली का सफल संचालन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सराहा बिजनौर की महिला शक्ति का नवाचार, स्वयं सहायता समूहों की बढ़ी प्रतिष्ठा

'मन की बात' में बिजनौर की 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' का उल्लेख, ग्रामीण महिला शक्ति को मिला राष्ट्रीय सम्मान

बिजनौर का 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी' मॉडल बना महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की सशक्त पहचान

बुआ की बेटी के साथ युवक ने किया सुसाइड

चलती ट्रेन से कूदकर दोनों लखनऊ आए

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक ने अपनी बुआ की बेटी के साथ सुसाइड कर लिया है। रविवार तड़के दोनों की डेडबॉडी तेलीबाग में किराये के घर में सीलिंग फैन पर अलग-अलग कपड़ों के फंदे से लटकी मिली। दोनों के बीच करीब 3 साल से अफेयर था।

वे शादी करना चाहते थे लेकिन इसके लिए घरवाले और रिश्तेदार राजी नहीं थे। दोनों को समझाने के लिए परिजन उन्हें इटावा में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां ले जा रहे थे। कानपुर में दोनों चलती ट्रेन से कूदकर लखनऊ आ गए थे।

घटना तेलीबाग के बलदेव विहार कॉलोनी की है। युवक की पहचान शाहजहांपुर के रीवा निगोही निवासी राम अवतार के बेटे अनिकेत उर्फ रानू कुमार (21) और युवती की पहचान गाजियाबाद की खोड़ा

कॉलोनी निवासी महेंद्र की बेटी अंजलि (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर युवती के परिजनों को सूचना दे दी है।

जानकारी के अनुसार, अनिकेत 23 जुलाई को अहमदाबाद जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वह खोड़ा पहुंच गया। वहां से वह अंजलि के साथ निकला। परिवार वालों को दोनों 25 जुलाई को अयोध्या में में मिले। परिजन दोनों को एक रिश्तेदार के घर इटावा ले जा रहे थे। कानपुर में ट्रेन चलते ही दोनों नीचे कूद गए और लखनऊ आ गए।

फास्ट न्यूज

हथियारबंद बदमाशों ने बंधक बनाकर व्यापारी को लूटा

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे बदमाशों ने एक व्यापारी के घर जमकर उत्पात मचाया। व्यापारी, उसकी पत्नी और बेटी को जमकर पीटा भी। इतना मारा कि तीनों के सिर फट गए। व्यापारी के सिर पर 18 टांके लगाने पड़े, उनकी हालत गंभीर है। पीड़ितों के अनुसार, हथियारबंद बदमाश घर में पहले से छिपे थे।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-6 में रविवार को सुबह 8:30 बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट के कारण पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम में आग शुरू हुई। खिड़कियों से आग की लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते धुआं पूरे मकान में फैल गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। जब तक दमकल की टीम पहुंची, तब तक आसपास के लोग अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास करते रहे। सूचना मिलते ही दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

'धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का क्रेडिट कांग्रेस को नहीं मिलेगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि अभिजीत दीपके के आंदोलन से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। इसका क्रेडिट कांग्रेस को नहीं मिलेगा। युवाओं की जो नाराजगी और उनकी जो मांगें थीं, वह सब मोदी सरकार ने मान ली हैं। और भी कोई बात होगी तो उसे सरकार मानेगी।

आठवले ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव भी अपना मत रखा। कहा- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी एनडीए के सहयोगी के रूप में 20 से 25 सीटों की दावेदार है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी और सुभासपा जैसे सहयोगियों को प्रतिनिधित्व दे सकती है, तो आरपीआई को भी उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह बात आठवले ने

रामदास आठवले बोले- मोदी सरकार ने छात्रों की बात मानी, और भी मानेंगे

लखनऊ में मीडिया के सामने कही।

आठवले ने दावा किया कि यदि भाजपा आरपीआई को गठबंधन में शामिल रखती है तो उसे बसपा से नाराज दलित मतदाताओं का 2 से 3 प्रतिशत अतिरिक्त समर्थन मिल सकता है, जिससे सरकार बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने का समय मांगा गया है। रामदास आठवले ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में इंडिया में नहीं शामिल किया गया तो हम यूपी में 20 से 25 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेंगे।

लखनऊ में शादी का झांसा देकर किशोरी से रेप

सरोजनी नगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक किशोरी से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रविवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, सरोजनी नगर की रहने वाली 16 वर्षीय कक्षा 12 की छात्रा की करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक ने खुद को अविवाहित बताकर शादी का झांसा दिया, जबकि वह पहले से शादीशुदा था। इस दौरान उसने किशोरी के साथ कई बार दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपी ने किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया और उससे कुछ गहने भी ले लिए। किशोरी को आरोपी के शादीशुदा होने का पता चला, तो उसने शादी का दबाव बनाया। इस पर आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा। परेशान किशोरी ने बाद में अपने परिजनों को पूरी बात बताई।

अंतरराज्जीय अवैध स्पूरियस/काउंटरफीट औषधि निर्माण रैकेट का भंडाफोड़-मेरठ

बागपत एवं उधम सिंह नगर में संयुक्त छापेमारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध कराने तथा अवैध एवं नकली (स्पूरियस/काउंटरफीट) दवा व्यापार पर प्रभावी रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश विभाग द्वारा दिनांक 24.07.2026 को प्राप्त गुप्त अभिसूचना के आधार पर सहायक आयुक्त (औषधि), मेरठ मंडल के नेतृत्व में आशुतोष मिश्रा औषधि निरीक्षक,आगरा, संतोष कुमार पटेल औषधि निरीक्षक मेरठ एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी मेरठ की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम खरदौनी शेखपुर, थाना इंचोली, जनपद मेरठ स्थित परिसर पर छापेमारी की गई। मौके से औषधियों की पैकेजिंग में प्रयुक्त

होने वाली ब्लिस्टर पैकिंग मशीन, कंप्रेसर मशीन तथा चेंज पार्ट्स बरामद किए गए। जाँच में स्पष्ट उजागर हुआ किमैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड तथा विकास चौहान और उसका सहयोगी राजेन्द्र सिंह उर्फ अरुण कुंडा की आपस में गहरी सांठ-गांठ से प्रॉक्टर-गैंबल (पी-एच) Health Limiteddaiuh का प्रसिद्ध ब्रांड 'Evion 400mg Soft Gel Capsule' का लेबिल लगाकर फूड सप्लीमेंटके रूप में प्रयोग होने वाले विटामिन -ई 10एमजी की मात्रा को 400 उह मात्रा के कैप्सूल जो की औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है, का निर्माण कर बाजार में खपाया जा रहा था।

मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए दिनांक 25.07.2026 को औषधि निरीक्षक दल द्वारा मैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा रुद्रपुर, उत्तराखंडका औचक निरीक्षण किया गया।

की गई जाँच

जाँच में पाया गया कि मैसर्स प्रेस्कॉट फार्मा जेल प्रा. लि. के पास केवल फूड हेल्थ सप्लीमेंट्स एवं न्यूट्रास्युटिकल्स एफएसएसए-आई लाइसेंस/फॉर्म सी का लाइसेंस था, जिसके तहत वे न्यूट्रिशनल/प्रोफिलैक्टिक उपयोग हेतु केवल विटामीन ई10एमजी कैप्सूल का निर्माण कर सकते थे। नियमों के विपरीत, निर्माता फर्म द्वारा अवैध रूप से बल्क में 06 लाख बिना पैकिंग वाले विटामीन ई10एमजी सॉफ्टजेल कैप्सूल मैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा को बेचे गए।

अयोध्या डीआईजी, एसएसपी भी टीम में, 2 दिन बाद सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी रिपोर्ट

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : किरण एस. लीड करेंगे नई एसआईटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में यूपी सरकार ने नई विशेष जांच टीम (SIT) का गठन कर दिया है। इसमें तीन सदस्य है। इसकी कमान आईजी लखनऊ रेंज किरण एस. को सौंपी गई है। पहले SIT की अध्यक्षता IAS अधिकारी विजय विश्वास पंत कर रहे थे। किरण एस. उनकी टीम में थे, मगर टीम के इंचार्ज विश्वास पंत थे। सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई, 2026 को मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ IPS अधिकारी की अध्यक्षता में नई SIT गठित करने का आदेश दिया था। ये आदेश चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट

ने कहा था कि 27 जुलाई को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की स्टेटस रिपोर्ट पेश करनी होगी। इस आदेश के तुरंत बाद यूपी सरकार ने SIT का गठन कर दिया था। कोर्ट ने माना था कि क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन और चोरी के मामलों की तकनीकी जांच में पुलिस अधिकारियों की भूमिका सीधी और ज्यादा असरदार होती है। इसलिए DIG और SSP को सदस्य बनाकर जांच का दायरा सीधे पुलिस महकमे के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

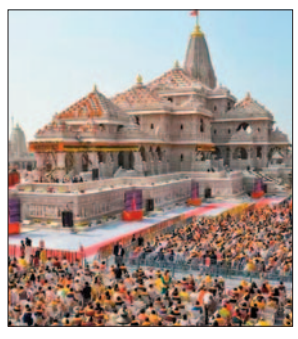

पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद अब एसआईटी का पुनर्गठन कर आईजी लखनऊ रेंज को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, अयोध्या के डीआईजी और एसएसपी को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

कानपुर से बोला लखनऊ एयरपोर्ट पर बम है, गिरफ्तार

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर बम की अफवाह वाले व्यक्ति को पुलिस ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी श्याम सुंदर (30) से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार रात मिली इस सूचना के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्ना हो गईं। हालांकि, घंटों जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

इस मामले में सरोजनी नगर थाने के उप निरीक्षक निशु चौधरी ने रविवार सुबह मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ एनसीआर दर्ज कराया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सर्विलांस के माध्यम से मोबाइल नंबर को ट्रेस किया गया, जिसकी लोकेशन कानपुर पाई गई। कानपुर के बिधूना स्थित जयसिंहपुर निवासी राज किशोर के बेटे श्याम सुंदर को पुलिस ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11:45 बजे एक मोबाइल नंबर से डायल-112 पर लखनऊ एयरपोर्ट पर बम होने की सूचना दी गई थी।

सैरपुर में दिनदहाड़े 14 लाख की चोरी कैश और गहने ले गए

बंद घर का ताला तोड़कर घुसे चोर, सीसीटीवी में कैद

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े एक बड़ी चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोर बंद मकान का ताला तोड़कर करीब 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 2 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। कुल 14 लाख रुपये की चोरी बताई जा रही है। 2 चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं।

यह घटना न्याय विहार, गली नंबर-7, सीतापुर रोड स्थित B1-21 निवासी आशीष के घर में हुई। आशीष का परिवार शनिवार सुबह किसी काम से घर से बाहर गया था। दोपहर करीब 3 बजे अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने घर में घुसकर अलमारियों के लॉक तोड़े और उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषणों तथा नकदी को समेट लिया। शाम को

- रेकी करके घर में घुसे चोर
- नौकरानियों पर चोरी का शक जाहिर किया

जब परिवार घर लौटा, तो उन्होंने कमरों का सामान बिखरा हुआ और अलमारियों के ताले टूटे हुए पाए। तत्काल सैरपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की रेकी की थी।

महिला कॉन्स्टेबल ने पति पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

लखनऊ। लखनऊ के तालकटोरा में रहने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस की एक महिला कॉन्स्टेबल ने अपने पति पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि पति ने चार साल की बेटी को अपने पास रख लिया, जिसे वापस नहीं कर रहा है। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

उत्साह : 1090 चौराहे पर विक्ट्री मार्च ■ तिरंगा लहराया ढोल बजाकर नाचे

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ में जश्न

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से खुश लोगों ने लखनऊ में रविवार को 1090 चौराहे पर जश्न मनाया। विभिन्न सामाजिक और छात्र संगठनों ने विक्ट्री मार्च निकाला। हाथों में तिरंगा, पोस्टर और बैनर लेकर जश्न मनाया। विक्ट्री मार्च में समाजवादी छात्र सभा, NSUI, AISA, SFI समेत लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने हिस्सा लिया। विक्ट्री मार्च में शामिल NSUI प्रदेश उपाध्यक्ष अहमद ने कहा कि यह जीत छात्र शक्ति की है। जिस तरह से पूरे देश के युवाओं ने छात्र शक्ति का अहसास कराया है, इसे इतिहास में दर्ज किया जाएगा। दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ या आंदोलन देश के कोने-कोने तक

पहुंचा। भारतीय जनता पार्टी और सत्ता में बैठे हुए लोगों को यह अभिमान था कि छात्र उनके सामने झुकेंगे। मगर वह यह भूल गए कि जिस ओर जवानी चलती है, उसी ओर जमाना चलता है। देश के पढ़े-लिखे युवा ने यह बता दिया कि गलत के सामने डटकर खड़े होंगे।

अदिति ने कहा कि वह नीट एस्पेरेंट रही हैं। उनके समय भी ऐसा ही हुआ था कि अचानक से एग्जाम की डेट बदल दी गई थी, जिससे काफी प्रभावित हुए थे। पिछले साल भी कई पेपर लीक हुए। घोटाले हुए। इससे छात्रों पर बहुत असर पड़ता है। हमने तीन बार नीट की परीक्षा दी है।

'जेन जी को अपनी बात रखनी आती है'

जश्न मना रही लॉ स्टूडेंट इशिता त्रिपाठी ने कहा कि सरकार से अकाउंटेबिलिटी मांगने का यह बहुत छोटा सा काम था। राजनाथ सिंह हमेशा कहते आए हैं कि इस सरकार में इस्तीफा नहीं होता तो यह इस्तीफा अकाउंटएबिलिटी की शुरुआत है। यह उसका पहला स्टेप है। Gen Z को अपनी बात रखनी आती है और उसकी मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रोटेस्ट जितने हुए उसमें संस्कार भी था। क्रिएटिविटी थी। हमने जंतर-मंतर से लेकर हर जगह बहुत यूनिक तरीके से प्रोटेस्ट किया। क्रिएटिविटी के साथ Gen Z सामने आया और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखकर प्रदर्शन किया है।

पीएम मोदी इन युवाओं को कहा करते थे की रील बनाइये, रोजगार पाइये। वही रील इस सरकार पर चढ़ गया और इसे धराशाही कर दिया। अमेरिका जैसे शहरों में जो डेमोक्रेसी और प्रदर्शन की तस्वीर आती थी, वही यहां मी आई है।

सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर दिया गया धन्यवाद

युवाओं को देश का भविष्य बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाकर इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताई गई। होर्डिंग के जरिये आंदोलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले छात्रों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम जनता के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। इन पोस्टरों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

होर्डिंग में छात्र आंदोलन को जनता और समाजवादी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत बताया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व और सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद प्रकट किया गया है। पोस्टर में कहा गया है कि

आंदोलन की सफलता सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम लोगों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। पोस्टर में आंदोलन के दौरान दिन-रात मेहनत करने वाले पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के समर्पण की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही यह संदेश भी दिया गया है कि जनता के अधिकारों और न्याय की लड़ाई में समाजवादी पार्टी आगे भी पूरी मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

भविष्य में जनहित कार्यों का संकल्प

होर्डिंग में भविष्य में भी जनहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर लगातार काम करने का संकल्प दोहराया गया है। इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की सफलता बताते हुए जनता के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया है। होर्डिंग समाजवादी पार्टी के नेता हल्लूराम सुंदर यादव की ओर से लगवाई गई है।

मां रोते-रोते बेहोश, बोली- अब मुझे भी नहीं जीना, प्राधिकरण की लापरवाही से जान गई

बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत पिता वाइस-प्रिंसिपल

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में 6 साल के बच्चे आव्यान की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। शनिवार शाम वह घर के बाहर क्रिकेट खेल रहा था। खेलते-खेलते गड्ढे के पास पहुंच गया। आसपास कीचड़ होने की वजह से फिसलकर गड्ढे में गिर गया। साथ खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया। आसपास के लोग भागकर आए। जैसे-तैसे आव्यान को बाहर निकाला। अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आव्यान के पिता शिवान यादव केंद्रीय विद्यालय में वाइस प्रिंसिपल हैं। रो-रोकर पूछ रहे हैं- मेरे मासूम बच्चे का क्या कसूर था। आखिर किसी और की गलती का खामियाजा

हम लोगों को क्यों भुगतना पड़ रहा है। आव्यान की मां बेहोश हैं। वह बीच-बीच में होश में आती हैं तो कह रही हैं- मुझे भी अब नहीं जीना। घटना नॉलेज पार्क-2 इलाके की पॉश सोसाइटी कलाधाम में शाम 6:30 बजे की है। कॉलोनी के जिस गड्ढे में गिरकर आव्यान की मौत हुई। उसे ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण ने बोरिंग के लिए खुदवाया था। करीब 15 फीट गहरे गड्ढे में बारिश का पानी भर गया था। लापरवाही ऐसी थी कि कॉलोनी में होने के बावजूद गड्ढे में बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। हर बार की तरह इस बार भी बच्चे की मौत के बाद अफसरों की नींद टूटी।

दोस्तों के साथ पार्क के पास खेलने गया था

कलाधाम सोसाइटी के रहने वाले प्रांजल ने बताया- मेरे घर के सामने ही शिवान यादव परिवार के साथ रहते हैं। वह केंद्रीय विद्यालय में वाइस प्रिंसिपल हैं। परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे थे। बड़ा बेटा 9 साल का है। अव्यान 6 साल का था। शाम को वह दोस्तों के साथ घर से 100 मीटर दूर ओपन एरिया में खेल रहा था। मैं घर के बाहर अपनी गाड़ी धो रहा था। अचानक एक बच्चा भागते हुए मेरे पास आया। बोला कि लकड़ी उठाते-उठाते उसका दोस्त गड्ढे में डूब गया। मेरी कुछ समझ में नहीं आया। फिर मैं उसके पीछे-पीछे भागा। अपने साथ 2 और लोगों को भी ले गया। वहां पहुंचे तो बच्चे का जूता पड़ा था।

'यह हादसा नहीं, हत्या है'

आव्यान के एक रिश्तेदार ने कहा- 15 फीट का गड्ढा है। पूरा पानी से भरा है। नीचे कीचड़ है। बच्चा क्या उसमें कोई आदमी भी डूब सकता था। यह कोई हादसा नहीं, यह तो एकदम मर्डर है। हमारे परिवार ने बच्चा खोया है। दर्द हम जानते हैं। अब प्राधिकरण ब्लेम-गेम कर रहा है। हम अच्छे से समझते हैं। जनता भी खूब समझती है।

इसी गड्ढे में गिरकर आव्यान की मौत हो गई। बारिश की वजह से बोरिंग के लिए खोदा गया गड्ढा पानी से लबालब भरा हुआ था।

> प्रांजल ने बताया- मैंने एक बड़ी पाइप गड्ढे में डाली और पकड़कर खड़ा हो गया। 2 लोग पाइप के सहारे पानी में उतरे। 5 से 10 मिनट में बच्चे को खोज निकाला। उसे बाहर लेकर आए। परिजन को सूचना दी। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले गए। डॉक्टर्स ने पूरी कोशिश की, लेकिन बच्चे को बचा नहीं पाए।

छोटी बहन की हत्या कर मुंडन कराया, गंगा में पिंडदान

भाई बोला- बहन प्रेमी संग भागी इसलिए मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में 23 जुलाई की सुबह खेत में मिले शव की शिनाख्त हो गई। यह शव रीमा का निकला। पुलिस ने शव की पहचान करते हुए युवती के भाई दीपक को अरेस्ट कर लिया। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने रविवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता में घटना का खुलास किया।

जहां ऑनर किलिंग में रीमा की हत्या कर उसके शव को फेंका गया था। हत्या के बाद भाई ने हापुड़ के बृजघाट पर अपना मुंडन कराया और पिंडदान भी करा दिया। जिससे की बहन की हत्या का पछतावा न हो। 23 जुलाई की सुबह करीब 9:07 बजे डायल-112 पर सूचना मिली थी कि वेव सिटी क्षेत्र के काजीपुरा स्थित मनोज कुमार के खेत में घसीटने के निशान हैं और फसल टूटी हुई है। सूचना पर थाना पुलिस और एसीपी प्रिया श्रीपाल मौके पर पहुंचीं। जांच के दौरान खेत में एक युवती का खून से लथपथ शव मिला। आसपास ज्वार की फसल भी टूटी हुई थी। पुलिस के अनुसार, युवती की उम्र करीब 22 वर्ष प्रतीत होती है। उसके गले पर धारदार हथियार से किए गए गहरे वार के निशान मिले हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया, जहां धारदार हथियार से मौत होना पाया।

डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि एसीपी वेव सिटी प्रिया श्रीपाल के नेतृत्व में पुलिस की 4 टीमें शव की पहचान करने में लगाई। जहां पुलिस ने 400 से 500 सीसी टीवी कैमरों की फुटेज चैक की। उसमें आया कि घटनास्थल के पास तक एक ऑटो व एक कार आते जाते दिखाई दी।

फास्ट न्यूज

कमला नगर में फिर धंसी रोड

आगरा। आगरा के कमला नगर स्थित मुगल रोड पर एक बार फिर सीवर लाइन लीक होने से सड़क धंस गई। महज एक दिन पहले ही नगर निगम द्वारा इस सड़क की मरम्मत कराई गई थी, लेकिन कुछ ही घंटों बाद सड़क दोबारा धंस गई। इस घटना ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के दौरान मौके पर मौजूद नगर निगम की एक गाड़ी भी धंसी सड़क में फंस गई, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

24 घंटे में 108 सेमी बढ़ा गंगा का जलस्तर

कानपुर। कानपुर गंगा नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटे में 108 सेंटीमीटर बढ़ गया । रविवार सुबह 8 बजे गंगा बैराज से जारी आंकड़ों के मुताबिक शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 110.80 मीटर दर्ज किया गया, जबकि शनिवार सुबह यह 109.72 मीटर था। शुक्लागंज में गंगा का चेतावनी स्तर 113 मीटर है। एक दिन में एक मीटर से अधिक जलस्तर बढ़ने से गंगा किनारे बसे कटरी क्षेत्र के गांवों में चिंता बढ़ गई है। खेतों में फसलों पर पानी पहुंचने का खतरा मंडराने लगा है। जलस्तर में इस तेजी की वजह हरिद्वार और नरौरा से गंगा में छोड़े गए अधिक पानी को माना जा रहा है।

कानपुर में बीए थर्ड ईयर के छात्र ने सुसाइड किया

कानपुर। कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र की ईदगाह कॉलोनी में शनिवार शाम एक स्टूडेंट ने सोशल मीडिया पर भावुक स्टेटस लगाने के बाद सुसाइड कर लिया। बीए थर्ड ईयर के स्टूडेंट ने मौत से पहले स्टेटस पर लिखा, सॉरी मम्मी-पापा, मैं आपका अच्छा बेटा नहीं बन सका। कुछ देर बाद जब उसकी बहन कोचिंग से घर लौटी तो भाई के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला।

अखिलेश के सामने पैर पर पैर डालकर बैठूंगा : ओवैसी

हम दरी बिछाकर बैठने वाले नहीं, सरकार समझ ले अब तानाशाही नहीं चलेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद । मुरादाबाद में AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कहा- यह देश के युवाओं के संघर्ष, जद्दोजहद और कुर्बानी की बड़ी जीत है। छात्रों के आगे सरकार को झुकना पड़ा। आने वाला वक्त बताएगा कि हम विजयी रहेंगे।

उन्होंने कहा-मैं उन छात्रों को सलाम करता हूं, जिन्होंने कई हफ्तों से जंतर-मंतर पर बैठकर ऐसा मंत्र पढ़ा कि मोदी को रात के 12 बजे वीडियो बनाना पड़ा। देश में तानाशाही नहीं चलेगी। संगठित आवाज के आगे सत्ता को भी झुकना पड़ता है। उम्मीद है कि भविष्य में राष्ट्रीय या राज्य स्तर की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक नहीं

होंगे। उन्होंने कहा- अब हम दरी बिछाकर नीचे नहीं बैठना चाहते। अब हम बराबरी चाहते हैं। अगर कुर्सी होगी, अखिलेश बैठेंगे तो ओवैसी उस कुर्सी के सामने पैर पर पैर डालकर बैठेगा। फिर हक और इंसाफ की बात करेगा।

ओवैसी ने कहा- मैं पहले भी कह चुका हूं और आज भी कह रहा हूं कि मजलिस नहीं चाहती कि दोबारा भाजपा की सरकार बने। मैं हाथ मिलाने को तैयार हूं, मैं गठबंधन करने को तैयार हूं।

भविष्य की राजनीति में युवाओं की भूमिका बढ़नी चाहिए

ओवैसी ने कहा कि देश की बड़ी आबादी युवा है। भविष्य की राजनीति में युवाओं की भूमिका बढ़नी चाहिए। AIMIM पार्टी का उद्देश्य केवल भावनात्मक भाषण देना नहीं, बल्कि मुद्दों के आधार पर जनता की आवाज उठाना है।

ओवैसी ने कहा- अब चुनाव का मौसम आएगा, तो कोई आकर कहेगा कि फलां को मुख्यमंत्री बनाना है, हम सत्ता में आ रहे हैं। चार बार आपने गलती की, आपने अपनी लीडरशिप को पैदा नहीं किया।

रील देखने से रोका तो पत्नी ने जान दी

चंदौली में पति बोला- तुम तो चली गई, 11 महीने का बेटा अकेले कैसे पालूंगा

ये तस्वीर रोशनी के पति राहुल की है। उसने पुलिस को बताया कि मैं हमेशा पत्नी को इंस्टाग्राम चलाते देखता था और उसे मना करता था।

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। यूपी के चंदौली में रील देखने से मना करने पर पत्नी ने जान दे दी। शनिवार रात करीब 12 बजे पति ने उसका शव बेडरूम में फंदे के सहारे लटका हुआ देखा। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। पति ने उसे इंस्टाग्राम चलाने से मना किया था। पति ने पुलिस से रोते हुए बताया कि पत्नी की इंस्टाग्राम की आदत ने मेरा परिवार उजाड़ दिया। अब 11 महीने का इकलौता बेटा मैं अकेले कैसे पालूंगा। लड़की के पिता ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। घटना जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर अलीनगर के कुछमन गांव की है। राहुल ने बताया कि हम दोनों पति-पत्नी के बीच कहासुनी के बाद मैं खाना खाकर गुस्से में छत पर सोने के लिए चला गया। रात करीब 12 बजे बेटे के रोने की आवाज सुनी। पत्नी को कई बार आवाज लगाई। लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। मैं नीचे उतरा तो देखा बेडरूम का दरवाजा अंदर से बंद था। बेटा अंदर ही रो रहा था। मेरे काफी देर दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो मैंने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर देखा तो रोशनी पंखे से फंदे के लटकी हुई थी। तुरंत उसे उतारकर पास के अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मैंने रोशनी के पिता को फोन करके घटना की सूचना दी।

रोशनी के पिता बोले- दहेज के लिए बेटी को मार डाला

रोशनी के पिता कपिल देव ने पुलिस को बताया- जब हम मौके पर पहुंचे तो बेटी के शरीर पर चोट के निशान मिले। राहुल अक्सर उससे झगड़ा करता था। छोटी-छोटी बातों पर घर से निकालने की धमकी देता था। दहेज के लिए रोशनी को प्रताड़ित करता था।

3 साल पहले हुई थी रोशनी-राहुल की शादी

अलीनगर थानाक्षेत्र के झांसी गांव के रहने वाले कपिल देव प्रसाद ने बेटी रोशनी (32) की शादी 3 साल पहले कुछमन गांव के राहुल से की थी। वह फैक्ट्री में काम करता है। दोनों का का 11 महीने का एक बेटा भी है। राहुल ने पुलिस को बताया- मैं शनिवार रात 11 बजे ड्यूटी से लौटा तो देखा पत्नी इंस्टाग्राम पर रील देख रही थी। मैंने कई बार पानी देने को कहा तो उसने अनसुना कर दिया। गुस्से में आकर मैंने उससे मोबाइल छीन लिया और डांटते हुए कहा- आज के बाद कभी इंस्टाग्राम चलाते मत दिख जाना।

अंतिम संस्कार के 3 दिन बाद पति जिंदा लौटा

औरैया में पत्नी से झगड़े के बाद छोड़कर चला गया था अनजान कॉल से खुला राज

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया । यूपी के औरैया में जिस युवक का परिवार और रिश्तेदारों ने तीन दिन पहले अंतिम संस्कार किया, वह अचानक सही-सलामत घर लौट आया। उसे जिंदा अपने सामने देखकर परिजनों के होश उड़ गए। मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव का है।

दरअसल, डेढ़ साल पहले पत्नी से झगड़े के बाद पति घर छोड़कर चला गया था। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। 3 दिन पहले पुलिस को एक सड़ा-गला शव मिला।

सूचना मिलने पर उसके भाई ने कपड़ों और कद-काठी के आधार पर शव की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिवार ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया।

कहानी में मोड़ तब आया, जब

> पत्नी ने अंतिम संस्कार की बात बताई तो कमल शनिवार रात 10 बजे घर लौट आया। अब पुलिस पशोपेश में है। यह पता लगाने में जुटी है कि खंडहर में जिस युवक का शव मिलने के बाद अंतिम संस्कार करा दिया गया, वह कौन था और उसकी मौत कैसे हुई।

पत्नी ने अपने मोबाइल पर काफी समय पहले आए अज्ञात कॉल्स में से एक नंबर पर कॉल बैक किया। दूसरी तरफ से आवाज उसके लापता पति कमल की थी। सुनीता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 14 साल पहले कमल सिंह (40) से हुई थी। कमल मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। दोनों

पुराने मोबाइल में मिलीं मिस्ड कॉल

सुनीता ने बताया कि पति के अंतिम संस्कार के बाद जब उन्होंने घर में रखा अपना पुराना मोबाइल देखा तो उसमें कई अज्ञात नंबरों से मिस्ड कॉल थीं। उन्होंने उन नंबरों पर कॉल बैक किया। इटावा के एक नंबर पर कॉल रिसीव करने वाले की आवाज सुनकर वह समझ गईं कि सामने कमल ही है। हालांकि, उसने अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। सुनीता ने रोते हुए कमल से घर लौटने की अपील की। उन्होंने बताया कि परिवार उसे मृत मान चुका है और पुलिस उसकी मौत को लेकर लगातार पूछताछ कर रही है। यह सुनने के बाद शनिवार रात करीब 10 बजे कमल घर लौट आया। उसे जीवित देखकर परिजन और ग्रामीण हैरान रह गए।

के तीन बच्चे हैं। करीब डेढ़ साल पहले कमल ने अपने भतीजे से रुपए लेकर खेत बेच दिया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में सुनीता ने कमल को बुरा-भला कह दिया। पत्नी ने फटकारते हुए कहा था, ₹जब तक 2 लाख रुपए का इंतजाम न हो जाए, अपनी शक्ल मत दिखाना।₹ इससे आहत होकर वह घर छोड़कर चला गया। आर्थिक तंगी के चलते सुनीता ने खुद परिवार की जिम्मेदारी संभाली। छोटे-मोटे काम करके वह तीन बच्चों का पालन-पोषण करने लगी।

जहरीली गैस से सफाई कर्मचारी और गार्ड की मौत

नोएडा में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हादसा, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

- सुबह चार बजे हुआ हादसा
- बचाने गया गार्ड भी जान गंवा बैठा
- अस्पताल में दोनों की मौत
- पुलिस ने शुरू की कानूनी कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर । ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-150 की एल्डिको सोसाइटी में रविवार सुबह एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) टैंक की सफाई के दौरान एक सफाई कर्मचारी बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए टैंक में उतरा सिक्योरिटी गार्ड भी बेहोश हो गया। दोनों को अस्पताल ले

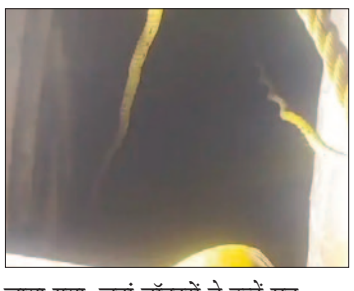

जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार तड़के करीब चार बजे की है। सुबह 4:07 बजे नॉलेज पार्क थाना पुलिस को सूचना मिली कि एल्डिको सोसाइटी के एसटीपी टैंक में सफाई के दौरान दो लोग बेहोश हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने बताया कि एसटीपी टैंक की सफाई के दौरान सफाई कर्मचारी शशिकांत शर्मा (40), निवासी करौली (राजस्थान), टैंक के अंदर बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड आकाश (22), निवासी फिरोजाबाद, टैंक में उतरे, लेकिन वह भी बेहोश हो गए। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने दोनों को टैंक से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर शांति व्यवस्था बनी रही। पुलिस ने दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पेपरलीक रोकने...

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के भविष्य के लिए लगातार विभिन्न कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वे जेल में हैं। इसके लिए पहले ही फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार संसद में ऐसे नए कानून की दिशा में भी आगे बढ़ रही है, जिसमें कड़े कानूनी प्रावधान शामिल होंगे।

नंदन निलेकणि का जन्म देश के आईटी हब कहे जाने वाले बंगलूरू शहर में 2 जून, 1955 को हुआ था। इनकी शुरुआती पढ़ाई बिशप कॉटन बॉय स्कूल में हुई। वहीं इन्होंने अपने हाई स्कूल की पढ़ाई सेंट जॉसेफ हाई स्कूल से पूरी की। उसके बाद नंदन नीलेकणि ने अपने इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई आईआईटी बॉम्बे से पूरी की। खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के दम पर आईआईटी बॉम्बे में दाखिला पाया था। वर्ष 1981 में उन्होंने एन.आर. नारायण मूर्ति और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इंफोसिस की स्थापना की। कंपनी में उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और बाद में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई। नंदन नीलेकणि को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीए-आई) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में देश की सबसे बड़ी डिजिटल और सामाजिक पहचान परियोजना 'आधार' का नेतृत्व करने का श्रेय दिया जाता है। भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया है। इसके अलावा, वे डिजिटल साक्षरता मंच एकेस्टेप (EkStep) के सह-संस्थापक भी हैं।

सबसे पहले 23 जुलाई की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर 2 मिनट 56 सेकंड का वीडियो संदेश साझा किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है, बल्कि यह लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए बेहद पीड़ादायक है।

उन्होंने कहा कि पिछले ढाई महीनों में पेपर लीक के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं। दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। साथ ही सरकार की जिम्मेदारी थी कि छात्रों का एक साल खराब न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों की परीक्षा कराई गई और 19 जुलाई को उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि सरकार सिर्फ इतनी कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि पेपर लीक से जुड़े मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश भी दिया गया है।

आज संसद में जितेंद्र ...

आरोपियों के खिलाफ कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान होगा। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बना सकेंगे। इन अदालतों में रोजाना सुनवाई होगी।

भारत को कॉमनवेल्थ ...

ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। स्नैच में 85 kg और क्लीन एंड जर्क में 105 kg उठाकर उन्होंने मेडल जीता। यह उनका लगातार तीसरा गोल्ड था। इससे पहले 2018 और 2022 में भी मीराबाई ने गोल्ड जीता था।

यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 में 55kg वर्ग में भारत को रिप्रेजेंट किया था। वे मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं। मणिपुर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी और ऋषिकांत सिंह के शुरुआती कोच ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत ने 2009 में मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी से वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) के सेंटर में हुआ। बाद में वे भारतीय नौसेना से जुड़े और वहां ट्रेनिंग लेने के बाद भारतीय सेना के स्पोर्ट्स सेट-अप का हिस्सा बने।

ब्रोजेंद्रो सिंह ने बताया कि ऋषिकांत के परिवार में दो भाई हैं। उनके बड़े भाई भारतीय सेना में हैं। ऋषिकांत मणिपुर के इंफाल वेस्ट के रहने वाले हैं।

वेटलिफ्टिंग में दो इवेंट होते हैं। स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों में खिलाड़ी को बारबेल को जमीन से सिर के ऊपर तक उठाना होता है, लेकिन दोनों की तकनीक अलग होती है।

भारत इनोवेशन के ...

पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है।

कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं। शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है।

डिग्री कॉलेज के...

इससे शिक्षकों को 1.50 करोड़ का एक्सीडेंटल बीमा, 3 करोड़ तक का हवाई दुर्घटना बीमा, 60 हजार तक का अस्पताल का खर्च यानी कैश बेनिफिट और 12 लाख रुपए तक का टर्म लाइफ इंश्योरेंस यानी जीवन बीमा मिलेगा।

योगी ने शिक्षकों से छात्रों को सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल करना सिखाने की अपील की। कहा-सोशल मीडिया आज की जरूरत है। इससे दूर नहीं रहा जा सकता, लेकिन इसका उपयोग समाज और देश हित में होना चाहिए। शिक्षक छात्रों को फर्जी अकाउंट और भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने के लिए प्रेरित करें। सही और गलत की पहचान करना सिखाएं।

बता दें कि 18 दिन पहले योगी ने वाराणसी से प्राइमरी-माध्यमिक स्कूलों के 12 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के लिए कैशलेस इलाज की योजना की शुरुआत की थी।

हर परिवार को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाजः कैशलेस योजना के जरिए टीचर को हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। जैसे ही कार्ड बन जाएगा, उसी दिन से शिक्षक और उनके परिवार अस्पतालों में इलाज करवा सकेंगे। अस्पताल में भर्ती होने से लेकर दवाइयों, इलाज और छुट्टी (डिस्चार्ज) होने तक का सारा खर्च सरकार उठाएगी।

'आरक्षण बचेगा तो ...

सपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान ही सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि ₹जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही हमारी ढाल और कवच है। यही गैर-बराबरी को समाप्त कर समता और समान अवसर सुनिश्चित करेगा।₹ उन्होंने कहा कि संविधान-मान स्तंभ समाज में सामाजिक न्याय के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला प्रकाश स्तंभ है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व एमएलसी डॉ. मधु गुप्ता, पूर्व मेयर प्रत्याशी वंदना मिश्रा, मीरा वर्धन, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश शुक्ला, प्रो. अंशू केडिया, अतहर हुसैन, प्रदीप शर्मा, कलीम-उर-रहमान समेत कई नेताओं ने संविधान, सामाजिक न्याय और आरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. रमेश दीक्षित ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला, जबकि फाखिर सिद्दीकी ने आरक्षण दिवस और संविधान-मान स्तंभ स्थापना दिवस के महत्व को रेखांकित किया।

स्टूडेंट्स पर पैलेट ...

इसके बाद CJP के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं।

इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने, नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया

3-0 से टी-20 सीरीज जीती, वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए, मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे, एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।

भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की।

193 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे ने पहली बॉल पर विकेट

भारत ने तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। 193 रन का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रयान बर्ल ने 43 गेंदों में 54 रन बनाए।

गंवा दिया। जिम्बाब्वे ने 13 ओवर में 4 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। रयान बर्ल 27 गेंदों में 36 रन और वेस्ली मधेवेरे 16 गेंदों में 15 रन बनाकर क्रीज पर हैं। अभिषेक शर्मा के ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 12 रन जुटाए। बर्ल ने पहली गेंद पर शानदार चौका जड़ा, जबकि मधेवेरे ने 93 मीटर लंबा छक्का लगाकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की। 193 रन का पीछा कर रही जिम्बाब्वे की टीम 10 ओवर में 4 विकेट पर 77 रन ही बना सकी। रयान बर्ल 16 गेंदों में 21 रन और वेस्ली मधेवेरे 9 गेंदों में 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

वैभव प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज

वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने तीन मैचों में 151 रन बनाए। मैच के बाद वैभव ने कहा कि हरारे पहुंचने के बाद टीम ने दो-तीन दिन अच्छी तैयारी की थी और उन्हें यहां खेलना हमेशा पसंद है। वैभव ने कहा, मेरा लक्ष्य हर मैच में टीम को तेज शुरुआत दिलाना था। अगर अच्छी शुरुआत मिल जाए तो पारी को बड़ा बनाने की कोशिश करता हूं। दोनों अवॉर्ड को वैभव ने सपना सच होने जैसा पल बताया।

अशोक शर्मा ने लिया पहला इंटरनेशनल विकेट

जिम्बाब्वे को 18वें ओवर की पहली ही गेंद पर छठा झटका लगा। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने तडिवानाशे मारुमानी को बोल्ड कर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट हासिल किया। मारुमानी 3 गेंदों में 1 रन बनाकर आउट हुए। जिम्बाब्वे को 16वें ओवर में पांचवां झटका लगा। मयंक यादव ने वेस्ली मधेवेरे को डीप मिडविकेट पर तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। 138 किमी/घंटा की रफ्तार से आई शॉर्ट गेंद पर मधेवेरे पुल शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को हवा में उछाल बैठे। इस बार तिलक ने कोई गलती नहीं की और आसान कैच लपक लिया।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया पर 'संकट के बादल'

जसप्रीत बुमराह समेत 5 खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। भारत के कई खिलाड़ी चोटिल हैं और उनके सीरीज में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। चोटिल प्लेयर्स में दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी नाम शामिल है। बुमराह के अलावा हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी पूरी सीरीज से बाहर हैं।

टेस्ट सीरीज का एलान मंगलवार को किया जा सकता है लेकिन उससे पहले भारत के लिए खिलाड़ियों की चोट ने चिंता बढ़ा दी है। चोट से जूझने वाले प्लेयर्स में साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर का भी नाम शामिल है। सुंदर को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोट का सामना करना पड़ा था और वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले से ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर बाहर हो गए हैं। इसके अलावा दूसरे टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता को लेकर भी संदेह है। अगर वे फिट होते हैं, तो दूसरे मैच के लिए चुने जा सकते हैं। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान चोट का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वे तीसरे वनडे मैच से बाहर हो गए थे। अब उनके टेस्ट सीरीज में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। उनका चयन फिटनेस के आधार पर किया जाएगा। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन भी इस समय चोट की समस्या से जूझ रहे हैं। वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं और तेजी से उबर रहे हैं।

ट्रिनिडाड टेस्ट में वेस्टइंडीज की हुई मजबूत शुरुआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से

पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं, फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट

का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए। सीनियर PSA वर्ल्ड रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत की नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर होगी, जहां पहली बार स्क्वैश को शामिल किया गया है।

पिछले साल ब्रॉन्ज जीता था

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

मनोरंजन

सोनाक्षी सिन्हा ने कान पकड़कर लगाई दंड-बैठक

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जेन जी से माफी मांगी, पारुल गुलाटी ने भी मनाया जश्न

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर जेन Z की तारीफ की।

वीडियो में सोनाक्षी ने कहा कि उन्होंने पहले जेन Z को हल्के में लिया था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कैमरे के सामने कान पकड़कर दंड-बैठक भी की और कहा कि अब वह भी जेन Z जैसी बनना चाहती हैं।

सोनाक्षी ने वीडियो में कहा, 'भाई, आप जानते नहीं हो, आपने आज क्या किया है। ब्रो, मैं तो आर्टिस्ट हूं, लेकिन जेन Z आर्ट है। पता है, मैं जेन Z को बहुत हल्के में लेती थी।'सोनाक्षी सिन्हा इससे

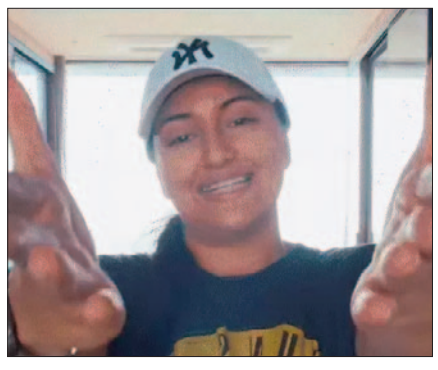

पहले भी छात्रों के समर्थन में सोशल मीडिया पर अपनी राय रख चुकी हैं। उन्होंने छात्रों के लिए न्याय की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक का समर्थन करते हुए सरकार से सवाल भी उठाए थे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद एक्ट्रेस और एंटरप्रेन्योर पारुल गुलाटी का सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में है। पारुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जश्न मनाती नजर आ रही हैं। वीडियो पर लिखा है, 'हम मालकिन हॉस्टल में धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ऐसे मना रहे हैं।'

इंस्टाग्राम पर किए कई पोस्ट

इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लगातार इंस्टाग्राम पर कई पोस्ट शेयर किए। एक पोस्ट में लिखा था, 'धर्मेंद्र प्रधान ने रिजाइन कर दिया।' एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों की तस्वीर शेयर की। इसके बैकग्राउंड में फिल्म धुरंधर का गाना आरी आरी बजता सुनाई दे रहा था। इसके अलावा उन्होंने CJP नेता अभिजीत दिपके का एक वीडियो भी शेयर किया और लिखा, 'भाई, क्या कह दिया?' साथ ही उन्होंने सोनम वांगचुक को धन्यवाद दिया।

2 घंटे 32 मिनट की फिल्म ने ओटीटी पर डाला डेरा

ट्रेंडिंग में अव्वल निकली नई एक्शन-कॉमेडी

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हर हफ्ते कुछ न कुछ नया पुराना आता रहता है। हाल ही में एक ऐसी फिल्म को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जिसने थिएटर्स से लेकर बॉक्स ऑफिस तक जमकर धमाल मचाया है। ओटीटी पर आते ही मूवी ने अपनी असली कमाल दिखाना शुरू कर दिया है और ट्रेंडिंग में टॉपर निकली है। खास बात ये है कि ये पूरी फिल्म सिर्फ और सिर्फ एक इकलौती एक्ट्रेस के कंधों पर है, जिसमें कॉमेडी और एक्शन का डबल डोज देखने को मिलेगा।

जो फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती है, उसकी ओटीटी रिलीज का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। ऐसी है एक फिल्म हाल ही में ओटीटी पर

आई है, जो साउथ सिनेमा से नाता रखती है। फिल्म की कहानी एक स्वर्णा नाम की अनाथ लड़की है की स्टोरी है, जो देखने में तो सीधी-साधी और भोली-भाली लगती है, लेकिन उसका अतीत काफी खतरों से भरा रहा है। शादी के बाद वह अपने डॉक्टर पति के घरवालों का दिल जीतने की पूरी कोशिश करती है, लेकिन इस मामले में वह बार-बार नाकाम होती है। फिर स्वर्णा की जिंदगी में उसके अतीत के कुछ पुराने दुश्मन री-एंट्री करते हैं ।

सच जानकर टूट गए थे सुपरस्टार, उठ गया था लोगों पर से भरोसा

अडॉप्टेड थे राजेश खन्ना

नई दिल्ली, एजेंसी

सुपरस्टार राजेश खन्ना ने एक समय पर सिनेमा पर राज किया। सुपरहिट फिल्मों की झड़ी लगाई, देशभर की लड़कियों की दीवाना बनाया। मगर इस बीच निजी जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही।

राजेश खन्ना ने अंजू महेंद्रू से ब्रेकअप और डिंपल कपाड़िया से शादी में तनाव के साथ-साथ असफलता का गम भी झेला। मगर उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा था, जब उन्हें पता चला था कि वह अडॉप्टेड हैं। राजेश खन्ना के आखिर दिनों में उनके करीब होने का दावा करने वालीं अनीता आडवाणी (Anita Advani) ने इसका खुलासा किया है।

अनीता आडवाणी ने मेरी सहेली पॉडकास्ट में राजेश खन्ना के बारे में बात की है। अनीता ने दावा किया कि बचपन, असफल रिश्तों और जिन लोगों पर काका (राजेश

खन्ना) ने भरोसा किया, उनके धोखे ने धीरे-धीरे उन्हें ऐसा इंसान बना दिया जो अपने आस-पास के किसी भी व्यक्ति पर आसानी से भरोसा नहीं कर पाता था। उन्हें हर किसी पर शक होता था। अगर आप मुझसे मनोवैज्ञानिक नजरिए से पूछें, तो मुझे लगता है कि उन्होंने लोगों पर से अपना भरोसा खो दिया था। सबसे पहले उन्हें गोद लिया गया था। फिर रिश्तों में उन्हें धोखा मिला। इंडस्ट्री के दोस्तों ने भी उन्हें धोखा दिया। जिन लोगों की उन्होंने मदद की और सफल बनाया, वे भी आखिर में उनके खिलाफ हो गए। उन्हें हर किसी पर शक होने लगा। 1942 में जतिन खन्ना के तौर पर जन्मे राजेश खन्ना को गोद लेने वाले रिश्तेदार चुन्नीलाल और लीलावती खन्ना थे।

लोगों ने उठाया था राजेश खन्ना का फायदा

अनीता आडवाणी ने दावा किया कि पॉलिटिकल करियर के दौरान भी लोगों ने उनका फायदा उठाया था। उन्होंने कहा, इकई लोगों ने उनका फायदा उठाया। पॉलिटिकल कैंपेन के दौरान वह जहां भी कहा जाता, वहां जाते थे, लेकिन बीच के लोग पैसे अपनी जेब में रख लेते थे। काकाजी ने खुद कभी कोई पैसा नहीं लिया।

150 सालों से 'देशभक्ति' की असली मिसाल बना है पुराना गीत

नई दिल्ली। 26 जुलाई की तारीख भारत के इतिहास की स्वर्णिम तिथि में से एक है। आज ही के दिन 27 साल पहले भारतीय सेना ने दुश्मन देश पाकिस्तान के छक्के छुड़ाते हुए कारगिल पर तिरंगा लहराया था। कारगिल विजय दिवस के तौर पर इस खास दिन को सेलिब्रेट किया जाता है, जिसका जश्न देशभक्ति गीतों के बिना अधूरा है।

इस आधार पर आज हम आपको सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और ऐतिहासिक देशभक्ति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 150 सालों से भारतवासियों की पहली पसंद बना हुआ है। जिस देशभक्ति गीत के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसका इतिहास भारत की आजादी से भी पहले का है। इस गीत ने भारतवासियों को अपने देश के प्रति का असली एहसास कराया है और पिछले 150 सालों से ऐसा ही करता आ रहा है। दरअसल यहां बात भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम... (Vande Mataram की जा रही है।

मगर 8 साल पुराना गीत कर गया अमर, खूब हो रहा है ट्रेंड

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

36 दिनों के बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन पूरी तरह से समाप्त हो गया है। नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ हुए प्रोटेस्ट में बहुत ऐसा हुआ, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा। लेकिन इस दौरान 8 साल पुराना गीत भी ऐसा रहा, जो सोशल मीडिया पर इस छात्र आंदोलन के वीडियो के लिए संजीवनी बना था।

तमाम यूजर्स ने उस गाने की इस्तेमाल कर रील्स वीडियो बनाए। अब ये प्रोटेस्ट तो खत्म हो गया है, लेकिन जाते-जाते अपने पीछे ये उस गीत को अमर कर गया है, जब 2018 में इसको अधिक लोकप्रियता नहीं मिल सकी। आइए जानते हैं कि वह कौन सा गाना है-

बेशक 8 साल पहले बोल के लब आजाद हैं... को उतनी अधिक लोकप्रियता नहीं मिली थी, लेकिन

मंटो फिल्म के बोल के लब आजाद हैं... को मशहूर गायक राशिद खान और विद्या शाह ने गाया है, जबकि इसकी संगीतकार स्नेह खानवलकर हैं। बात की जाए गीत के लिरिक्स की तो वह दिग्गज शायर फैज अहमद फैज द्वारा लिखी गई इंकलाबी नज्म बोल के लब आजाद हैं तेरे... से लिए गए हैं।

आज छात्र आंदोलन समाप्त होने के बाद भी इसे खूब सुना जा रहा है और धड़ल्ले से रील्स वीडियो बनाए जा रहे हैं। इस तरह से मंटो का ये गीत एक तरह से अमर हो गया है। बोल के लब आजाद हैं... सॉन्ग को मुख्य रूप से अभिनेता नवाजुद्दीन और अभिनेत्री रशिका दुगल पर फिल्माया गया है, जो मुख्यरूप से फिल्म की कहानी की संक्षेप में परिभाषा देता है।

प्रोटेस्ट की आवाज बना ये गीत

यूं तो छात्र आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने अलग-अलग गीतों पर रील्स वीडियो बनाए और मिलियन में व्यूज हासिल किए। लेकिन सबसे अधिक गहरी छाप अगर किसी गीत ने छोड़ी तो वह अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कल्ट फिल्म मंटो (Manto) से नाता रखता है। निर्देशक नंदिता दास के डायरेक्शन में बनने वाली मंटो का एक गाना बोले के लब आजाद हैं... (Bol Ke Lab Azad Hain...) जंतर मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की जान बना रहा था। अगर आप भी इंस्टाग्राम खोलकर देखेंगे तो आपको तमाम प्रोटेस्ट रील्स में ये मंटो फिल्म का ये गाना बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर सुनने मिल जाएगा।

सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश, अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

ईरान पर सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प

आदेश

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य अभियान के लिए तैयार रहेगी।

ईरान का आरोप है कि कैस्पियन सागर में उसके एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन ने कैस्पियन सागर में ऐसे जहाजों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। हालांकि उन्होंने ईरानी व्यापारिक जहाज पर सीधे हमले की पुष्टि नहीं की।

ईरान ने यूक्रेन को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

कैस्पियन सागर में अपने एक व्यापारिक जहाज पर कथित ड्रोन हमले के बाद ईरान ने यूक्रेन को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरान ने हमले के विरोध में तेहरान स्थित यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया और कहा कि इस घटना का जवाब दिया जाएगा। ईरान का दावा है कि हमले में एक नाविक की मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हो गया। विदेश मंत्रालय ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताते हुए कहा कि देश अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी जारी

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा है कि ईरान के खिलाफ उसकी नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू है। CENTCOM के मुताबिक, 25 जुलाई तक ईरान की ओर बढ़ रहे 12 व्यावसायिक जहाजों का रास्ता बदल दिया गया, दो जहाजों पर चढ़कर जांच की गई और आदेश नहीं मानने वाले दो जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अब अमेरिका नई रणनीति बनाने में जुटा है। अगर अमेरिका युद्ध से पीछे हटना भी चाहे, तो यह फैसला इजराइल की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

- जनरल अबोलफजल शेखारची
प्रवक्ता, ईरानी सेना

ईरान का दावा- जवाबी हमलों में यूएस के 3 बड़े ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा अकरमिनिया ने कहा कि ये तीनों ठिकाने मध्य पूर्व में अमेरिका के सबसे अहम सैन्य अड्डों में गिने जाते हैं। अकरमिनिया ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जून में हुए समझौते का पालन नहीं किया। इसके बजाय वहां नया समुद्री रास्ता बनाने की कोशिश की। इसी के जवाब में ईरान ने अपने अधिकार जताने के लिए कार्रवाई की। ईरान की सेना ने दावा किया है कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट और ईरान, दोनों मोर्चों पर अपने मकसद पूरे नहीं कर पाया। सेना के प्रवक्ता जनरल अबोलफजल शेखारची ने कहा कि मौजूदा हालात अमेरिका के लिए अच्छे नहीं हैं। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर हमला किया। यहां ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए।

ईरान की संसद में होर्मुज को लेकर नए कानून के मसौदे पर चर्चा चल रही है। संसद की कई समितियां मिलकर इस ड्राफ्ट की समीक्षा कर रही हैं। हालांकि सरकार ने अभी कानून का पूरा मसौदा सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसका मकसद होर्मुज पर ईरान का नियंत्रण और मजबूत करना है। साथ ही वहां से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने का भी प्रावधान किया जा सकता है।

कुवैत ने सऊदी जहाज पर हूती हमलों की निंदा की

कुवैत ने लाल सागर में सऊदी जहाज NCC MASA पर हूती विद्रोहियों के हमले की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है और समुद्री नौवहन व वैश्विक व्यापार की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है।

मंत्रालय ने कहा कि कुवैत सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों का पूरा समर्थन करता है। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह सऊदी अरब के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद सऊदी ने यमन के हूती नियंत्रित होदेदाह शहर पर जवाबी हवाई हमले किए, जबकि हूतियों ने सऊदी के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का दावा किया।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत आगे बढ़ी

होर्मुज में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत आगे बढ़ी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि तेहरान में दोनों देशों के उप-विदेश मंत्रियों के बीच दो दिन तक बातचीत हुई।

बघाई ने कहा कि दोनों देशों ने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और होर्मुज में अपने-अपने अधिकारों को लेकर चर्चा की। बातचीत में कुछ मुद्दों पर सहमति बनी है और बाकी मामलों पर तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रहेगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अब ईरान और यूक्रेन के रिश्तों में भी तनाव बढ़ गया है। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने जहाज पर हमले का आरोप लगाकर यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया है। वहीं, यूक्रेन का दावा है कि उसने ईरान से जुड़े सैन्य कार्गो वाले जहाजों को निशाना बनाया। जानिए दोनों देशों के बीच विवाद की वजह।

'खत्म हो रही हैं अमेरिका की मिसाइलें' रिपोर्ट में दावा

ट्रंप ने ईरान पर हमला रोकने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सेना को ईरान में नए हमले न करने का निर्देश दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने यह फैसला लिया।

लगातार 13 दिनों तक ईरान पर सैन्य हमले कराने के बाद ट्रंप ने शुक्रवार को नए हमलों पर रोक लगाने का निर्देश दिया। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे व्यापक युद्ध के बजाय ईरान के साथ बातचीत के जरिए एक समझदारी भरा समझौता चाहते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने सलाह दी है कि ईरान के खिलाफ बड़े युद्ध अभियान फिर से शुरू करना संभव है, लेकिन इससे सेना के सेंट्रल कमांड के लिए उपलब्ध इंटरसेप्टर खतरनाक रूप से समाप्त हो जाएंगे, जिससे मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

एक्सियोस के अनुसार, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा।

नेपाल सरकार का बड़ा फैसला, भारतीय करेंसी पर लगी रोक हटाई

काठमांडू, एजेंसी

- नए 200 और 500 रुपये के नोटों को अनुमति मिली।
- प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये तक ले जाने की छूट।
- पुराने भारतीय नोट नेपाल में अभी भी प्रतिबंधित।

नेपाल ने भारतीय करेंसी के आने-जाने पर लगी पाबंदियों में ढील दी है। अब भारतीय और नेपाली नागरिक 9 नवंबर 2016 के बाद जारी किए गए 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अपने साथ ले जा सकते हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक (NRB) के मुताबिक, इन नोटों को प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये की सीमा तक नेपाल में लाया या ले जाया जा सकता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नए नियमों के तहत दोनों देशों के नागरिक मौजूदा नियमों का पालन करते हुए मंजूर किए गए करेंसी नोट नेपाल ला सकते हैं।

एनआरबी ने अपनी ताजा सूचना में साफ किया है कि 2016 में नोटबंदी से पहले जारी किए गए पुराने भारतीय करेंसी नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एनआरबी ने यह भी कहा कि नई व्यवस्था के तहत सिर्फ 9 नवंबर 2016 के बाद जारी किए गए नए डिजाइन वाले 500 रुपये और 200 रुपये के भारतीय नोटों को ही मंजूरी दी जाएगी।

केंद्रीय बैंक ने शुरू में 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र (गजट) में यह प्रावधान प्रकाशित किया था। हालांकि, गुरुवार को उसने एक और सूचना जारी करके इसके लागू होने की प्रक्रिया को साफ किया और सीमा पार करेंसी के लेन-देन से जुड़ी चिंताओं को दूर किया।

फास्ट न्यूज

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी

बर्लिन । जर्मनी की राजधानी बर्लिन में LGBTQ+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी हमलों में 15 की मौत

मास्को। शनिवार को रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया इलाके में हॉलिडे कैंपों पर यूक्रेन के हमलों में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी सुमी इलाके के अधिकारियों ने बताया कि वहां रूसी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई।

वहीं, रूस ने कजाखस्तान के कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) पर यूक्रेन के हमले को ऊर्जा आतंकवाद बताया है। कहा है कि ईरान युद्ध के चलते कम हुई कच्चे तेल की आपूर्ति में यूक्रेन के हमले से और ज्यादा मुश्किल पैदा होगी।

एनआईडी को लेकर काठमांडू ने भेजा प्रस्ताव

काठमांडू । नेपाल ने भारत से अनुरोध किया है कि नेपाली नागरिकों के नेशनल आइडेंटिटी कार्ड (NID) को भारत यात्रा के लिए वैध पहचान और यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। यदि भारत इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो नेपाली नागरिक पासपोर्ट और नागरिकता प्रमाणपत्र के साथ-साथ नेशनल आईडी कार्ड का इस्तेमाल भी भारत आने-जाने में कर सकेंगे।

पहली तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 21% बढ़ी, प्रोविजनिंग घटने और एसेट क्वालिटी सुधरने से फायदा

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा 132% बढ़कर 1,075 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

प्राइवेट सेक्टर के IDFC फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के नतीजे जारी कर दिए हैं। जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 132.2% बढ़कर 1,075 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले इसी अवधि में बैंक को 463 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ था। बैंक के मुनाफे में यह बड़ी बढ़ोतरी मजबूत नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) और कम प्रोविजनिंग की वजह से हुई है।

वहीं, तिमाही-दर-तिमाही (QoQ) आधार पर NIM में 3 bps की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 14% बढ़कर 2,553 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,239 करोड़ रुपए था।

पहली तिमाही में बैंक का प्रोविजनिंग खर्च घटकर 1,144 करोड़ रुपए पर आ गया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,659 करोड़ रुपए था। हालांकि, यह पिछली तिमाही (मार्च 2026) के 869 करोड़ रुपए के मुकाबले ज्यादा है। एसेट क्वालिटी के मोर्चे पर बैंक की स्थिति सुधरी है। जून तिमाही के अंत में बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 1.51% पर आ गया, जो मार्च तिमाही में 1.61% था। नेट एनपीए भी पिछली तिमाही के 0.48% से सुधरकर 0.44% पर आ गया। 30 जून 2026 तक बैंक का कुल कस्टमर बिजनेस (जिसमें लोन और कस्टमर डिपॉजिट शामिल हैं) 18.6% की सालाना बढ़त के साथ 6,04,776 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले यह 5,10,031 करोड़ रुपए था। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर इसमें 5.2% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बैंक का रिटर्न ऑन एसेट्स (RoA) Q1 FY27 में बढ़कर 1.06% हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 0.54% था। इसके अलावा, बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 15.05% रहा, जिसमें कॉमन इक्विटी टियर-1 (CET-I) रेशियो 13.33% शामिल है।

बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 21% बढ़ी

बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) यानी कमाए गए ब्याज और दिए गए ब्याज का अंतर सालाना आधार पर 21% बढ़कर 5,972 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 4,933 करोड़ रुपए था। यह बढ़त बैंक के कोर लेंडिंग बिजनेस में आई मजबूती को दर्शाती है। बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन (NIM) जून 2026 तिमाही में बढ़कर 5.96% हो गया है, जो जून 2025 तिमाही में 5.71% था। यानी इसमें सालाना आधार पर 25 बेसिस पॉइंट्स का सुधार हुआ है।

यूक्रेन के ओडेसा में मालवाहक जहाज पर हमला 2 भारतीय लापता

दूतावास ने जारी किया इमरजेंसी नंबर

दूतावास ने कहा कि खोज और बचाव अभियान चल रहा है। हम यूक्रेनी अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हमले के बात बाद दूतावास ने यूक्रेन में रह रहे भारतीयों के लिए हेल्पलाइन भी जारी की है।

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह पर मर्चेंट जहाज MV AGN Ragnar पर हमला हुआ था। इस जहाज पर 4 भारतीय नागरिक सवार थे। इस हमले को लेकर यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने रविवार को बताया कि वह ओडेसा बंदरगाह पर हुए हमले के बाद स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास ने X पर जानकारी दी कि 4 में से 2 भारतीय क्रू सदस्यों के सुरक्षित होने की पुष्टि हो गई है। बाकी 2 लोगों के बारे में अभी जानकारी का इंतजार है। ओडेसा, काला सागर पर यूक्रेन का सबसे बड़ा बंदरगाह है। फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद से यह जगह लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों का निशाना बन रही है। इसकी वजह से समुद्री व्यापार में भी दिक्कतें आ रही हैं।

भारत सरकार ने पहले ही अपने नागरिकों से कहा है कि वे चल रहे संघर्ष की वजह से यूक्रेन की यात्रा न करें। दूतावास ने कहा कि वह वहां रह रहे भारतीयों को हर संभव मदद दे रहा है।

आरोप: तेहरान में यूक्रेन के राजनयिक को बुलाकर इसे दुश्मनी भरा और आपराधिक हमला बताया

हूती विद्रोहियों ने सऊदी के तेल ठिकानों पर किया हमला

रियाद, एजेंसी

खाड़ी में तनाव कम होने के बावजूद शनिवार को दो बड़ी घटनाओं से पूरे इलाके में युद्ध फैलने का खतरा बढ़ गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन पर कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर हमला करने का आरोप लगाया। मंत्रालय के मुताबिक इस हमले में हुए विस्फोट से एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कैस्पियन सागर में लंबी दूरी के हमलों की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि रूस मध्य पूर्व में सैटेलाइट की जानकारी ईरान को दे रहा है। जिजान रिफाइनरी में रोज 4 लाख बैरल तेल बनता है। जवाब में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के मारिब, अल-जौफ और होदेदाह में हूतियों के ठिकानों पर बमबारी की। यमन के अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्ष अब फिर से मोर्चे पर सेना जुटा रहे हैं। 2022 से रुका हुआ यमन का गृह युद्ध इस महीने फिर शुरू हो गया है। हूतियों ने पिछले हफ्ते सऊदी की नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा की थी और गुरुवार को लाल सागर में दो सऊदी टैंकरों पर भी हमला किया था। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में एक जहाज को रोका, जिसने नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य के बाद लाल सागर का रास्ता भी बाधित हुआ तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है।

सऊदी अरब पर हूथियों का हमला, यमन जंग फिर शुरू

इसी दिन ईरान समर्थित यमन के हूती गुट ने सऊदी अरब के दो तेल ठिकानों पर हमला किया। हूती प्रवक्ता ने कहा कि जिजान और यानबू में अरामको की रिफाइनरी और भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया गया। वीडियो में जिजान रिफाइनरी से धुएं का गुबार उठता दिखा। ग्रीक सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यानबू में दागी गई 2 बैलिस्टिक मिसाइलों को अमेरिका की पैट्रियट मिसाइल से मार गिराया गया। यानबू सऊदी का सबसे अहम लाल सागर तेल बंदरगाह है और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के बाद यह तेल भेजने का मुख्य रास्ता बन गया है।

स्पेन के जंगलों में लगी भीषण आग के बाद प्रशासन रेस्क्यू में जुटा

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने शनिवार को कहा कि मैड्रिड के पश्चिम में लगी आग में दमकलकर्मी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। तेज हवाओं की आशंका के चलते स्थिति और भी मुश्किल हो गई है।

सरकार ने बताया कि सूखे इलाकों में लगी आग की वजह से 70,000 लोगों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा है। अधिकारियों ने इसे इस इलाके में अब तक की सबसे भयानक आग बताया है।

आग प्रभावित इलाके के सेनिसी-एंटोस गांव में पत्रकारों से बात करते हुए सांचेज ने कहा,हमारी प्राथमिकता, हमारी सोच और हमारा मकसद आपकी जान बचाना और आबादी वाले इलाकों की सुरक्षा करना है। उन्होंने आगे कहा, आने वाले कुछ घंटे मुश्किल भरे हो सकते हैं क्योंकि भले ही तापमान कम हो गया है, लेकिन हमें ठीक-ठीक नहीं पता कि हवा का रुख कैसा रहेगा या वह कितनी तेज होगी। ब्रुनेट शहर की मेयर मार निकोलस ने बताया कि वह उन निवासियों के लिए बहुत चिंतित हैं जो इन भयानक आग से परेशान हैं। उन्होंने कहा, हर साल आग लगती है, लेकिन इस बार की आग बहुत भयानक रही है। यह एक बड़ी तबाही है। राजधानी के पश्चिम में आसमान घने धुएं से भर गया और सुबह-सुबह जलने की गंध सेंट्रल मैड्रिड की सड़कों तक पहुंच गई, जिससे लोगों के गले में खराश होने लगी और उन्हें अपनी खिड़कियां बंद रखने पर मजबूर होना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक्स पर लोगों को सलाह दी कि वे खराब हवा की गुणवत्ता के कारण लंबे समय तक बाहर न रहें।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96